

पहला कॉलम

चार साइबर अपराधिक गिरोहों का भंडाफोड़, छह आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की साइबर पश्चिम इकाई ने सप्ताह भर चले विशेष अभियान में चार अंतरराज्यीय साइबर अपराधिक गिरोहों का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनसे कुल 34 लाख रुपए से अधिक की ठगी की राशि बरामद करने के सुराग मिले। अभियान के दौरान 7 मोबाइल फोन, 3 एटीएम कार्ड, 2 चेक बुक, 1 पासबुक और 2 सिम कार्ड बरामद हुए। यह कार्रवाई इंस्पेक्टर विकास कुमार थाना प्रभारी, साइबर वेस्ट और एसीपी ऑफिस विजय सिंह के नेतृत्व में डीसीपी पश्चिम शरद भास्कर दाराडे आईपीएस के पर्यवेक्षण में संपन्न हुई। शिवा (19 वर्ष, बेरोजगार, 8वीं पास) और पुनीत कुमार उर्फ साहिल (22 वर्ष, बेरोजगार, 12वीं पास) को गिरफ्तार किया गया।

के.ए. पॉल ने अवैध बेटिंग ऐप्स पर सुप्रीम कोर्ट से कार्रवाई की माँग की

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश भवन, नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. के.ए. पॉल ने अपने मामले (आइटम नंबर 12) की सुनवाई न होने पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि माननीय न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ की अनुपलब्धता के कारण आज सर्वोच्च न्यायालय में अवकाश रहा, जिसके चलते सुनवाई स्थगित करनी पड़ी। डॉ. पॉल की याचिका में उन प्रसिद्ध हस्तियों और अभिनेताओं के विरुद्ध त्वरित न्यायिक हस्तक्षेप की माँग की गई है, जिन्होंने कथित रूप से अवैध बेटिंग और गेमिंग ऐप्स को बढ़ावा देने के लिए भारी राशि प्राप्त की। इनमें सचिन तेंडुलकर, राणा दगुबाती, विजय देवरकोंडा सहित कई अन्य सेलिब्रिटीज के नाम शामिल हैं। डॉ. पॉल ने कहा कि इन ऐप्स के कारण देशभर में युवाओं को भारी आर्थिक नुकसान, मानसिक तनाव और आत्महत्या जैसी त्रासदियों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से 23 मई और 1 अगस्त 2025 को सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष पेश होकर अपनी याचिका रखी थी।

विश्व कप जीतने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भारतीय महिला टीम की मुलाकात

नई दिल्ली)। महिला विश्व कप 2025 का खिताब जीतने के बाद गुरुवार को भारतीय टीम ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। यह मुलाकात नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में हुई, जहां राष्ट्रपति ने टीम इंडिया को जीत की बधाई दी। इस दौरान भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को खिलाड़ियों के सिग्नेचर की हुई जर्सी भेंट की। कप्तान ने विश्व कप ट्रॉफी हाथों में लेकर राष्ट्रपति के साथ तस्वीरें भी क्लिक करवाई। इसके साथ ही पूरी टीम भी राष्ट्रपति के साथ फोटो सेशन में नजर आई। इससे पहले, बुधवार को भारतीय टीम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 7 लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की थी। पीएम मोदी ने टीम को ऐतिहासिक जीत पर बधाई देते हुए खिलाड़ियों के साथ ञएक लंबी बातचीत की थी।

राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने पर बोले पीएम मोदी

वंदे मातरम् के टुकड़े कर बोए गए देश विभाजन के बीज-मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

राष्ट्रगीत वंदेमातरम् के 150 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित स्मरण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ‘वंदे मातरम्’ शब्द हमारे वर्तमान को आत्मविश्वास से भर देता है, यह हमें साहस देता है कि ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है जिसे प्राप्त न किया जा सके। वंदेमातम आजादी का गान ही नहीं बना बल्कि आजाद भारत कैसा होगा, वंदेमातरम् ने सुजलाम-सुफलाम का सपना भी करोड़ों देशवासियों के सामने प्रस्तुत किया। आज यह दिन वंदेमातरम की असाधारण यात्रा को याद करने का मौका देता है। जब बंग दर्शन में वंदेमातरम प्रकाशित हुआ तो कुछ लोगों को लगता था कि यह तो केवल एक गीत है लेकिन देखते-देखते यह स्वतंत्रता संग्राम का स्वर बन गया। यह हर क्रांतिकारी के जवान पर था। हर भारतीय की भावनाओं को व्यक्त कर रहा था। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ लोगों ने वंदेमातरम् को भी बांटने की कोशिश की और वे शक्तियां आज भी मौजूद हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, वंदेमातरम् हमें हौसला देता है कि ऐसा कोई संकल्प नहीं जिसकी सिद्धि ना



हो सके। ऐसा कोई लक्ष्य नहीं जिसे हम भारतवासी पा ना सके। वंदेमातरम् के सामूहिक गान का अद्भुत अनुभव वाकई अभिव्यक्ति से परे है। इतनी सारी आवाजों में एक लय, एक स्वर और एक भाव, एक जैसा रोमांच, एक जैसा प्रवाह, ऐसा तारतम्य, ऐसी तरंग की ऊर्जा ने हृदय को स्पंदित कर दिया है। उन्होंने कहा, आज वंदे मातरम् पर एक डाक टिकट और विशेष सिक्का भी जारी किया गया है। मैं मां भारती के सपनों को वंदे मातरम् के लिए जीवन खपाने के लिए श्रद्धांजलि देता हूँ। मैं वंदेमातरम् के 150 साल पूरे होने पर

बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूँ। हर कार्य का अपना एक भाव होता है। एक मूल संदेश होता है। वंदे मातरम् का मूल भाव क्या है। इसका मूल भाव है, भारत, मां भारती। भारत की शाश्वत संकल्पना, वह संकल्पना जिसने युगों-युगों को देखा है। शून्य से शिखर तक की यात्रा और शिखर से पुनः शून्य में उनके विलय को देखा है। बनता-बिगड़ता इतिहास। भारत ने यह सब कुछ देखा है। इंसान की अनंत यात्रा से हमने सीखा और समय-समय पर हमने अपनी सभ्यता के मूल्यों और आदर्शों को तराशा।

मातृभूमि की स्तुति में रचा गया ‘वंदे मातरम्’ स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्ति की सबसे प्रबल प्रेरणा: मुख्यमंत्री साय

रायपुर : ‘वंदे मातरम्’ राष्ट्रगीत की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आज देशभर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक दिन को छत्तीसगढ़ में भी बड़े उत्साह और गर्व के साथ मनाया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ सामूहिक रूप से ‘वंदे मातरम्’ का गायन किया। इस अवसर पर सभी ने वंदे मातरम् के उद्देश के साथ आजादी की राष्ट्रीय चेतना का पुष्प स्मरण किया और अमर बलिदानियों को नमन किया। मुख्यमंत्री साय ‘वंदे मातरम्’ की 150वीं वर्षगांठ पर नई दिल्ली में आयोजित स्मरणोत्सव में वरुंअली शामिल हुए और प्रधानमंत्री का उद्घोषन भी सुना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि वंदे मातरम् मां भारती की साधना और आराधना की प्रेरक अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि ‘वंदे मातरम्’ के सामूहिक गान का एक प्रवाह, एक लय और एक तारतम्य हृदय को स्पंदित कर देता है।



निधन से फिल्म जगत के साथ-साथ छत्तीसगढ़ में भी शोक की लहर

छग की बेटी और मशहूर गायिका अभिनेत्री सुलक्षणा पंडित का निधन,मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने जताया शोक

रायपुर। भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री और मधुर स्वर साधिका सुलक्षणा पंडित के निधन से फिल्म जगत के साथ-साथ छत्तीसगढ़ में भी शोक की लहर है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उन्हें भारतीय सिनेमा की अमर स्वर साधिका बताया। मुख्यमंत्री साय ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ‘संगीत और अभिनय की उनकी यात्रा की जड़ें छत्तीसगढ़ के रायगढ़ की उस सांस्कृतिक मिट्टी से जुड़ी थीं, जहां



संगीत एक परंपरा नहीं, बल्कि जीवनधारा है। उन्होंने बताया कि सुलक्षणा पंडित का जन्म रायगढ़ की पुरानी बस्ती रामगुड़ी पारा स्थित अशर्षी देवी महिला चिकित्सालय में हुआ था और उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पैलेस रोड स्थित शासकीय बालिका विद्यालय से प्राप्त की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुलक्षणा के पिता प्रताप नारायण पंडित, राजा चक्रधर सिंह के दरबार के प्रसिद्ध तबला वादक थे। संगीत उनके परिवार की परंपरा थी, जिसे सुलक्षणा जी ने

थी, भाव था और इस मिट्टी की सुगंध थी। छत्तीसगढ़ उनकी इस अमर संगीत यात्रा को नमन करता है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस अपूर्णीय क्षति को सहने की शक्ति दें। सुलक्षणा पंडित ने वर्ष 1975 में फिल्म ‘उलझन’ से बतौर अभिनेत्री बॉलीवुड में पदार्पण किया था। उन्हें 1976 में फिल्म ‘संकल्प’ के गीत ‘तू ही सागर तू ही किनारा’ के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

राहुल गांधी का आरोप

पीएम मोदी चुनाव चोरी करके प्रधानमंत्री बने...

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक बार फिर भाजपा पर वोट चोरी के आरोप लगाए। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पूरा चुनाव चोरी किया गया और नरेंद्र मोदी, चुनाव चोरी करके प्रधानमंत्री बने हैं। हालांकि भाजपा ने राहुल गांधी के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि राहुल गांधी अपनी नाकामी को छिपाने के लिए देश के लोकतंत्र को बदनाम कर रहे हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, ‘हमारे पास बहुत



सारा मैटेरियल है। हम वोट चोरी का पर्दाफाश करने की प्रक्रिया जारी रखेंगे। हम भारत के जेन युवाओं को साफतौर पर दिखाएंगे।

पति को छोड़ा, प्रेमी के पीछे बिहार से सूरत पहुंची

सूरत। सोशल मीडिया पर हुए प्यार का एक बेहद खौफनाक अंत सामने आया है। 22 साल की एक महिला (काजल) का अपने पति से रिश्ता ठीक नहीं था, इसी बीच उसकी मुलाकात एक दूसरे लड़के से हुई। वह उसे इस कदर पसंद करने लगी कि उसके पीछे बिहार से दिल्ली और फिर गुजरात के सूरत तक पहुंच गई। लेकिन इस प्रेम कहानी का अंत इतना खौफनाक होगा, यह किसी ने नहीं सोचा था। काजल की लाश एक ट्रैवल बैग में बंद करके गड्ढे में दबा दी गई। आरोप है कि जिस प्रेमी को पाने के लिए वह बिहार से गुजरात तक गई।



बिहार विधानसभा चुनाव के बीच औरंगाबाद में एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन किया गया। साथ में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी दिखाई दे रहे हैं।

स्ट्रे डॉग्स पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

सुप्रीम कोर्ट का आदेश स्कूल-हॉस्पिटल-रेलवे स्टेशन से हटेंगे आवारा कुत्ते

नई दिल्ली/ एजेंसी

देशभर में स्ट्रे डॉग्स को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया है। सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि आवारा कुत्तों को स्कूलों-बस अड्डों के पास से हटाकर उन्हें शेल्टर होम में शिफ्ट किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सार्वजनिक क्षेत्रों में कुत्तों के काटने की घटनाओं में खतरनाक बढ़ोतरी पर संज्ञान लिया। अदालत ने कहा कि रेलवे

स्टेशन, बस स्टैंड, अस्पतालों जैसे संस्थानों को आवारा कुत्तों से मुक्त किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह कार्यवाही स्वतः संज्ञान लेते हुए 28 जुलाई को दिल्ली में आवारा कुत्तों के काटने से रेबीज पर की गई मीडिया रिपोर्ट के आधार पर शुरू की। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह संस्थागत क्षेत्रों में कुत्तों के काटने के ‘गंभीर खतरे’ के मुद्दे से निपटने के लिए अंतरिम निर्देश पारित करेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार बड़े फैसले

में कई दिशा-निर्देश जारी करते हुए आदेश दिया कि शैक्षणिक संस्थानों जैसे बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, अस्पतालों आदि के परिसरों से आवारा कुत्तों को हटाया जाए और उन्हें डॉग शेल्टर (कुत्ता आश्रय गृह) में स्थानांतरित किया जाए। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सड़कों से आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए एक संयुक्त



अभियान दल गठित करें और उन्हें देखभाल करें। बता दें कि इससे शेल्टर होम में रखकर उनकी पहले 27 अक्टूबर को शीर्ष अदालत

ने स्पष्ट आदेशों के बाद भी ज्यादातर राज्य सरकारों के अनुपालन हलफनामा दायर न करने पर कड़ी टिप्पणी की थी। शीर्ष अदालत ने कहा था कि केवल पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने ही अपने हलफनामे प्रस्तुत किए थे। कोर्ट ने सिर्फ कुत्तों पर ही नहीं, बल्कि सड़कों और हाइवे पर घूमने वाले आवारा मवेशियों पर भी सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट के

निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि सभी राज्यों में तुरंत अभियान चलाकर सड़कों से आवारा पशुओं को हटाया जाए। नगर निगम प्राधिकरण और हज़ूड़ हाइवे और एक्सप्रेसवे से सभी मवेशियों को हटाना सुनिश्चित करेंगे। कोर्ट ने आदेश दिया कि सड़क परिवहन विभाग, नगर निगम प्राधिकरण, हज़ूड़ उन जगहों/हाइवे/सड़कों का पता लगाए जहां, आवारा जानवर पाए जाते हैं।



विभिन्न जनजातियों के जन्म, विवाह, मृत्यु, कर्म परंपरा, आवास के साथ उपयोग होना।
वाले बर्तन, शिकार करने के लिए हथियार, वस्त्र,
पहनने, तरह-तरह के आभूषणों का
जानकारी मिली। इसके अलावा
खेती, मत्प्रांजन के साधन, नृत्य,
गीत, धार्मिक परम्पराएं, यौहार, परम्परागत
तकनीक व सांस्कृतिक परिवर्तन विद्यालयों
को दिखाया गया। आलेख पढ़ाई में पुरातैति
मुकांग का ध्रमण कराया गया, जहाँ 200
एकड़ में फैले इस स्थल को प्राकृतिक छह
अनुम है। यहाँ छत्तीसगढ़ की संस्कृति व
आदिवासी समाज को करीब से जानने
देखने को मिला।

पत्रकार हत्याकांड मामले में कोर्ट ने सुनाया फैसला, पत्नी और प्रेमी को आजीवन कारावास की सजा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़ में साल भर पहले हुई पत्रकार रईस अहमद हत्याकांड मामले में अदालत ने अहम फैसला सुनाया है। अपर सत्र न्यायाधीश विवेक कुमार तिवारी की अदालत ने मंगलवार को मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोनों आरोपियों ने एक नाबालिग की मदद से पत्रकार की निर्मम हत्या की थी। नाबालिग का प्रकरण बाल न्याय बोर्ड में विचाराधीन है। यह वारदात 16 मई 2024 को मनेंद्रगढ़ कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत चनवारीडांड में हुई थी। जानकारी के अनुसार, पत्रकार रईस अहमद की हत्या के बाद पुलिस ने जब जांच शुरू की, तो शुरुआत में मामला रहस्यमय लगा। लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, पत्नी और उसके प्रेमी के अवैध संबंधों का खुलासा हुआ। पुलिस ने पाया कि दोनों ने पति को रास्ते से हटाने की साजिश रची थी। इसी साजिश के तहत, उन्होंने एक विधि से संघर्षरत किशोर की मदद लेकर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक पत्रकार की पत्नी का एक युवक से प्रेम संबंध था। पति को रास्ते से हटाने के लिए पत्नी ने अपने प्रेमी और एक नाबालिग की मदद ली। तीनों ने मिलकर पत्रकार रईस अहमद की हत्या की योजना बनाई और उसे घर में ही मौत के घाट उतार दिया। वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने हत्या के दो दिन बाद, यानी 18 मई 2024 को प्रेमी आरजू खान को मध्य प्रदेश के ब्योहारी से गिरफ्तार किया था। वह झारखंड का रहने वाला था और घटना के बाद गुजरात भागने की प्तिरा में था। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार कर लिया था। करीब डेढ़ साल चली जांच और सुनवाई के बाद, मंगलवार को अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत सबूतों से यह साफ है कि दोनों ने मिलकर हत्या की योजना बनाई और उसे अंजाम दिया। अदालत ने दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है, जबकि किशोर का मामला अलग से विचाराधीन रहेगा।

एयर शो तैयारी अभ्यास के दौरान एक स्कूल छात्रा की तबीयत अचानक बिगड़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 5 नवंबर 2025 को होने वाले सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम के भव्य एयर शो की अभ्यास तैयारियों के बीच संघ लोक, अटल नगर नवा रायपुर में अचानक एक संवेदमशील घटना देखने को मिली। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद एक स्कूल छात्रा की तबियत अचानक बिगड़ गयी। मौके पर तैनात मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत कार्यरत एमएमयू-02 ‘दाई दीदी क्लिनिक’ रायपुर की टीम ने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्परता सहित स्कूल छात्रा का त्वरित प्राथमिक उपचार किया। डॉ. तिलेश्वरी वर्मा के नेतृत्व में चिकित्सा टीम ने स्कूल छात्रा का प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण किया और उसे ओआरएस दिया गया। उसे आयरन टैबलेट्स भी दी गईं। स्थल में एरिया प्रोजेक्ट मैनेजर काजल शर्मा की भी उपस्थिति रही। इस मौके पर दाई दीदी क्लिनिक की टीम में पर्मासिस्ट नंदिनी साहू, लैब टेक्नीशियन प्रियंका यादव, नर्स राजश्री चेलक सभी ने मिलकर स्कूल छात्रा को त्वरित रूप से आवश्यक प्राथमिक चिकित्सा सहायता प्रदान की। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम के भव्य एयर शो की अभ्यास तैयारियों के बीच हुई अचानक इस घटना ने दाई दीदी क्लिनिक जैसी मोबाइल मेडिकल यूनिट्स की जनसेवा और त्वरित चिकित्सा सहायता की भूमिका को एक बार फिर प्रमाणित किया है। यह टीम न केवल स्लम और शहरी बस्तियों में बल्कि सार्वजनिक आयोजनों और आपात स्थितियों में भी महिलाओं, बच्चों और आम नागरिकों की सेवा के लिए सदैव तैयार रहती है। राज्य सरकार की यह पहल स्वस्थ छत्तीसगढ़ सुरक्षित छत्तीसगढ़ की भावना को साकार करती है, जहाँ हर नागरिक की स्वास्थ्य सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मर चुका बेटा निकला जिंदा, देखकर हैरान रह गए लोग, पुलिस के लिए पहली बना मामला

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर से अजीबो-गरीब मामला सामने आया है, जहां मर चुका युवक अपने ही क्रियाक्रम कार्यक्रम के दौरान जिंदा वापस अपने घर लौट आया, जिसे देख लोग हैरान रह गए. अब यह मामला पुलिस के लिए चुनौती बन गई है. अखिर कुएं में मिली लाश किसकी है, इसे जानने पुलिस अब बंद कर चुकी फइल को दोबारा खोलकर शव की पहचान करने में जुट गई है. दरअसल बीते शनिवार को मानपुर में कुएं में एक अज्ञात लाश मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में शव की पहचान करने के लिए सूचनाएं भेजवाई थी, जिस पर चंद्रपुर के रहने वाले परिवार ने उस शव की शिनाख्त अपने बेटे पुरोत्तम के रूप में किया. पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पुरोत्तम के परिजन को सुपुर्द कर दिया था. पुलिस की मौजूदगी में शव को दफन किया गया, जिसके बाद परिवार के लोग रीति-रिवाज के अनुसार क्रियाक्रम में जुट गए. घटना की सूचना मिलने पर परिवार के लोग भी इस दुख की घड़ी में शामिल होने क्रियाकर्म में शामिल होने आए. तभी पता चला कि जिस युवक का क्रियाकर्म किया जा रहा है वह घर में ही है. इसके बाद सभी हैरान रह गए।

राजधानी में साफ-सफाई की व्यवस्था लेकर महापौर दिखाए तीखे तेवर

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने रायपुर शहर की सफाई व्यवस्था राजधानी शहर के अनुरूप सुधारने के संबंध में बैठक लेकर सख्त निर्देश दिये हैं। महापौर ने निर्देशित किया है कि सफाई नही तो भुगतान नहीं। महापौर ने सभी सफाई ठेकेदारो को दो-टूक कहा है कि शहर की सफाई का ठेका लिये हो तो शहर को साफ रखें अन्यथा भुगतान नहीं होगा। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर सहित अपर आयुक्त श्री पंकज के शर्मा, श्री विनोद पाण्डेय, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तुषि पाणीग्रही, सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में वाडों में अनुबंधित सफाई ठेकेदारो की बैठक लेकर रायपुर शहर की वर्तमान सफाई व्यवस्था को सुधारने के संबंध में स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिये। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने सभी जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को ठेका सफाई कार्यों की सतत निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग अच्छी तरह करते हुए सफाई व्यवस्था सुधारना प्राथमिकता बनाकर सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिये है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पीएम मत्स्य संपदा योजना के तहत मत्स्यपालकों को पिकअप वाहन की सौंपी चाबी

मत्स्य पालन से बढेगी ग्रामीण आय-उपमुख्यमंत्री शर्मा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित रजत महोत्सव के अवसर पर पीजी कॉलेज मैदान, कवर्धों में लगे विभिन्न विभागों के स्टॉलों का उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली और हितग्राहियों से संवाद भी किया। निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा मत्स्य विभाग के स्टॉल पर पहुँचे, जहाँ उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत दो हितग्राहियों को पिकअप वाहन की सौगात दी। इस योजना के अंतर्गत 10–10 लाख रुपए कोलागत से वाहनों का प्रदाय किया गया है, जिसमें हितग्राहियों को 40 प्रतिशत अनुदान का लाभ प्राप्त होगा। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के श्री रवि मल्लाह निवासी कवर्धा एवं

श्री कुश विश्वकर्मा निवासी बोड़्ला को पिकअप वाहन की चाबियाँ सौंपकर उन्हें बधाई और शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के मत्स्य व्यवसाय से जुड़े लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के माध्यम से न केवल उत्पादन क्षमता बढेगी, बल्कि मत्स्यपालकों की आय में भी वृद्धि होगी। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। मत्स्य पालन जैसे आजीविका आधारित कार्यों को प्रोत्साहन देने से ग्रामीण विकास की गति और तेज होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाई जाए ताकि पात्र हितग्राही इनका लाभ ले सकें। रज्योत्सव के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम



छत्तीसगढ़ के 25 वर्षों की विकास यात्रा और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की दिशा में एक सार्थक कदम साबित हुआ। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने सभी विभागों की अभिनव पहल और योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश की विकास गाथा में आमजन की सहभागिता ही वास्तविक शक्ति है।

उपमुख्यमंत्री ने भारत की मिलेट्स छीन लहरी बाई बैगा को किया सम्मानित

छत्तीसगढ़ रज्योत्सव के अवसर पर कृषि विभाग द्वारा लगाए गए मिलेट्स थीम आधारित स्टॉल में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री

रायपुर की सफाई व्यवस्था सुधारने महापौर मीनल चौबे पार्षदों सहित फील्ड में उतरेंगी

रायपुर। संवाददाता

रायपुर शहर की सफाई व्यवस्था को राजधानी शहर के अनुरूप सुधारने अब नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे वाडें पार्षदों सहित फ़ैल्ड पर उतरेंगी। महापौर ने पार्षदों को सफाई कार्य में जागरूक रहने का सुझाव दिया है। आज महापौर श्रीमती मीनल चौबे नगर निगम जोन 1 और जोन 3 कार्यालय पहुंचीं एवं नगर निगम स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर सहित जोन 1 अध्यक्ष श्री गज्जू साहू,जोन 3 अध्यक्ष श्रीमती साधना प्रमोद साहू, एमआईसी सदस्य श्री नन्दकिशोर साहू, श्री संतोष सीमा साहू, पार्षद डॉ मनमोहन मनहरे, श्रीमती अम्बिका साहू, श्रीमती परमिला



अधिकारियों को अनेक निर्देश दिए। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि सफाई कार्य उनकी प्राथमिकता है और सभी घरों से प्रतिदिन शत ङ्क प्रतिशत डोर टू डोर कचरा कलेक्शन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। महापौर ने सभी नियमित और ठेका सफाई कामगारों की ड्यूटी पर शत ङ्क प्रतिशत संख्या में निर्धारित समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने निर्देशित किया है। महापौर ने कहा कि सफाई

व्यवस्था सुधार कार्य में कोई कोताही कदापि सहन नहीं की जाएगी। सफाई करने और कचरा उठाने को लेकर कोई बहानेबाजी नहीं चलेगी, प्रतिदिन शहर का कचरा उठना चाहिए। शहर राजधानी के अनुरूप साफ दिखना चाहिए, इसके लिए सभी आवश्यक सख्त कदम उठाने के निर्देश महापौर ने दिए हैं। महापौर ने बाजारों में कचरा फैलाने वालों पर जुर्माना की कार्यवाही लगातार करने जोन कमिश्नरों को निर्देशित किया है। महापौर ने वाडें पार्षदों को सफाई के कार्य में जागरूक रहने का सुझाव दिया है। महापौर ने वाडों में अवैध निर्माण कार्यों पर लगातार अभियान चलाकर नियमानुसार कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश जोन कमिश्नरों को दिए हैं।

सरगुजा में टंड की दस्तक, प्रदेश में 3 डिग्री तक गिरेगा पारा, छाने लगे धुंध

रायपुर। छत्तीसगढ़ में साइक्लोन मोंथा का असर कम होने के बाद एक बार फिर मौसम का मिजाज बदल गया है. अब प्रदेश में टंड का असर दिखाने लगा है। वहीं तीन दिन में ही न्यूनतम तापमान में 8 डिग्री की गिरावट आई है। प्रदेश के उत्तरी और मध्य भागों में शुष्क मौसम जारी रहेगा, वहीं दक्षिणी छत्तीसगढ़ में भी अगले कुछ दिनों तक बारिश की संभावना नहीं है। रायपुर में मंगलवार को अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री और न्यूनतम 21.4 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 32 डिग्री जगदलपुर में और सबसे कम न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री अंबिकापुर में दर्ज हुआ। मौसम विभाग का कहना है कि न्यूनतम तापमान में फ़िन्हाल कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।

राष्ट्रवाद और एकता का दिया संदेश

सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में यूनिटी मार्च

- खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल एवं पूर्व मंत्री श्री अजय चंद्राकर हुए शामिल
- देशभक्ति के जयकारों के साथ निकला पैदल मार्च
- बेलसोंडा से लोहिया चौक तक उत्साह से 8 किलोमीटर पद यात्रा में शामिल हुए बच्चे, बूढ़े, जवान

रायपुर/ संवाददाता

देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम का आयोजन महासमुंद्र जिले के बेलसोंडा से लोहिया चौक मार्च पास्ट निकाला गया। इस अवसर



पर यूनिटी मार्च का समापन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खाद्य मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री दयालदास बघेल एवं प्रमुख वक्ता पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री अजय चंद्राकर शामिल हुए। दोनों अतिथियों ने सरदार पटेल के जीवन, कार्यों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए। लोहिया चौक में आयोजित समापन यात्रा में खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने कहा कि सरदार पटेल के विचार आज भी

प्रासंगिक हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए वोकल फ़ैर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के संदेश को सरदार पटेल की सोच से प्रेरित बताया। श्री बघेल ने कहा कि कोरोना काल के दौरान देश ने एकता और आत्मनिर्भरता की भावना के साथ चुनौतियों का सामना किया, जो सरदार पटेल के एक भारत, श्रेष्ठ भारत के आदर्शों को साकार करता है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं प्रमुख वक्ता श्री अजय चंद्राकर ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल केवल एक नेता नहीं, बल्कि भारत की

एकता के शिल्पकार थे। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के संघर्ष का आरंभ खेड़ा सत्याग्रह से हुआ, जिसकी सफलता ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। श्री चंद्राकर ने कहा कि बारडोली सत्याग्रह की सफलता के बाद ही उन्हें सरदार की उपाधि मिली। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का जीवन त्याग, संघर्ष और सेवा का अद्वितीय उदाहरण है। तीन वर्षों तक कठोर कारावास झेलने के बावजूद उन्होंने कभी जनसेवा का मार्ग नहीं छोड़ा। वे सच्चे अर्थों में जनप्रतिनिधि थे, जिन्होंने हर आंदोलन में

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की प्रदर्शनी को मिला तृतीय पुरस्कार



- उप राष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन के हाथों वन बल प्रमुख श्री व्ही. श्रीनिवास राव ने ग्रहण किया
- पुरस्कार

- वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने दी बधाई

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर 1 से 5 नवम्बर तक नवा रायपुर अटल नगर, तूता स्थित पंडित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व्यावसायिक परिसर मेला स्थल में रज्योत्सव का आयोजन किया गया। रज्योत्सव में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा 25 वर्षों की विकास यात्रा थीम पर आधारित आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे जनता द्वारा काफी सराहना मिली। इस पांच दिवसीय रज्योत्सव के दौरान ज्यूरी समिति द्वारा मूल्यांकन उपरांत, वन विभाग की इस प्रदर्शनी को तृतीय पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। रज्योत्सव के समापन समारोह में उप राष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन के हाथों वन बल प्रमुख श्री व्ही. श्रीनिवास राव ने यह पुरस्कार

श्री विजय शर्मा ने पहुंचकर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। स्टॉल में प्रदर्शित पारंपरिक मोटे अनाजों, प्रसंस्कृत उत्पादों और आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी लेकर उन्होंने कृषि विभाग के प्रयासों की सराहना की। विभागीय प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण भारत की मिलेट्स छीन सुश्री लहरी बाई बैगा रहीं। जिन्होंने उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा को मिलेट्स से बना आकर्षक गुलदस्ता भेंट किया। सुश्री लहरी बाई मूल रूप से डिंडोरी जिले के ग्राम सोलपीडी की निवासी हैं और पिछले कई वर्षों से 150 से अधिक प्रकार के मोटे अनाजों का संरक्षण कर रही हैं। वे स्वयं के नेतृत्व में ‘मिलेट बैंक’ का संचालन करती हैं और देशभर में मिलेट्स के उपयोग को प्रोत्साहित कर रही हैं। उनके समर्पण और परंपरागत ज्ञान से प्रभावित होकर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने उन्हें साड़ियों एवं 1100 रुपए की सम्मान राशि भेंट कर सम्मानित किया।

ग्रहण किया। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने विभाग की इस उपलब्धि पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता टीमवर्क, नवाचार और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण का परिणाम है। पुरस्कार मिलने से विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उत्साहित हैं। रज्योत्सव में आने वाले आगंतुकों ने इस स्टॉल को रोचक, आकर्षक और ज्ञानवर्धक बताया। यह प्रदर्शनी छत्तीसगढ़ की हरित सोच, जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का सशक्त प्रतीक बनी। उल्लेखनीय है कि प्रदर्शनी में 25 वर्षों की उपलब्धियों की जीवंत झलक वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन, एवं हरित विकास से जुड़े मॉडल और योजनाओं की जानकारी आकर्षक रूप में दिखायी गई। राज्य स्थापना वर्ष 2000 से वर्ष 2025 तक लागू की गई विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के प्रभाव को सरल और प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शनी में ‘एक पेड़ माँ के नाम’ योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में अब तक 6.41 करोड़ पौधापौषण का उल्लेख,शहरों में विकसित मियावाकी सूक्ष्म वन,ग्रीन गुफ परियोजना, घोटुल संस्कृति प्रदर्शन,गज संकेत ऐप एवं गजस्थ यात्रा द्वारा मानव-हाथी संघर्ष में कमी को प्रदर्शित किया गया।

आम जनता की आवाज बनकर कार्य किया। श्री चंद्राकर ने यह भी उल्लेख किया कि स्ट्रेच्यू ऑफ यूनिटी आज उनके महान योगदान का प्रतीक है, जो हमें राष्ट्र की एकता और अखंडता का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की भूमि भी आंदोलनों की गवाह रही है, जहां कैडल सत्याग्रह जैसे सफल जनआंदोलन हुए हैं। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। समारोह में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, विद्यार्थी, सामाजिक संगठन तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। इसके पूर्व युवाओं में राष्ट्रीय गौरव जगाना, समाज के प्रति जिम्मेवारी बढ़ाने और एकता की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से युवाओं की भूमिका पर विशेष ध्यान देते हुए यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया। गुरुवार को यूनिटी मार्च ग्राम पंचायत बेलसोडा के राम ससाह चौक से सुबह 11 बजे शुरुआत की गई।

संपादकीय

भारत की अहमियत को अमेरिका अच्छी तरह समझता है और दोनों देशों के रक्षा संबंधों पर अन्य विवादों का कोई असर पड़ने वाला नहीं है।भारत और अमेरिका के बीच हुए नए रक्षा समझौते को कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिका की ओर से भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए पचास फीसद शुल्क को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव पैदा हो गया था। मगर, रिशतों में जमी मतभेदों की यह बर्फ अब पिघलती नजर आ रही है।पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान कि वे भारत के साथ व्यापार समझौता करने वाले हैं और फिर रक्षा सहयोग पर सहमति इस बात

का संकेत है कि द्विपक्षीय संबंध फिर से पटरी पर लौट रहे हैं। यह कदम तमाम विरोधाभासों के बावजूद दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक सामंजस्य को भी दर्शाता है।अमेरिका ने भले ही दुनिया को दिखाने के लिए शुल्क नीति के जरिए भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की हो, लेकिन वह बहुष्‍वकीय होती वैश्विक व्यवस्‍था में भारत की भूमिका और प्रासंगिकता को नजरअंदाज नहीं कर सकता है। प्रस्‍तावित व्यापार समझौता हो या रक्षा सहयोग, जाहिर है इनमें दोनों देशों के हित निहित हैं। मस्‍ला सिर्फ इस बात का है कि हर पहलू पर द्विपक्षीय नजरिए का परस्‍पर सम्‍मान किया जाना चाहिए, तभी संबंधों पर प्रगढ़ता का रंग चढ़ता है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिका के उनके समकक्ष पीट हेगसेथ

ने शुक्रवार को कुआलालंपुर में व्यापक वार्ता के बाद ‘यूएस-इंडिया मेजर डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क’ समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह करार अगले दस वर्षों के लिए है और इससे भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के सभी आयामों को नीतिगत दिशा मिलने की उम्मीद है। इससे नई उच्च तकनीक तक भारत की पहुंच बढ़ेगी और दोनों देशों की सेना के बीच समन्वय की क्षमता में इजाफे के साथ रक्षा क्षेत्र में मिलकर काम करने के नए अवसर उपलब्ध होंगे।निश्चित रूप से यह दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक तालमेल का संकेत है और इस कदम से रक्षा साझेदारी के एक नए अध्याय का सूत्रपात होगा, जो मुक्त, खुला और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने की दिशा में भी अत्यंत

महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन का दबदबा रहा है और वहां शक्ति संतुलन को लेकर भारत-अमेरिका के साथ कई देश मिलकर काम कर रहे हैं।इसमें दोराय नहीं कि भारत और अमेरिका हाल के वर्षों में अपने रक्षा संबंधों को बढ़ाने की दिशा में लगातार काम करते रहे हैं। इसी के तहत हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएनए) और अमेरिकी रक्षा कंपनी जीईई एयरोस्पेस के बीच भारत में एफ 414 जेट इंजन के संयुक्त उत्पादन पर भी बातचीत हुई है।हकरीब एक दशक पूर्व अमेरिका ने भारत को ‘रमूफ़ रक्षा साझेदार’ घोषित किया था, जिससे महत्वपूर्ण सैन्य उपकरणों और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान का मार्ग प्रशस्त हुआ था।

रक्षा निर्यात ने बढ़ाया भारत पर दुनिया का भरोसा

(नवनीत सहगल)
आसियान शिखर सम्मेलन में फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर मार्कोस जूनियर द्वारा भारत को खुलकर प्रशंसा करना, तेजस एम्बके 1ए की पहली सफल उड़ान और ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल के उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद कई देशों का रक्षा सहयोग में रुचि दिखाना इस बात प्रमाण है कि भारत अब वैश्विक रक्षा परिदृश्य में निर्णायक शक्ति के रूप में उभर चुका है। यह परिवर्तन किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि मोदी सरकार के उन प्रयासों का प्रतिफल है, जिसने भारत को ‘रक्षा आयातक’ से ‘रक्षा निर्यातक’ बना दिया है। बीते एक दशक में भारत ने जिस आत्मविश्वास के साथ नीति-निर्माण और नवाचार को जोड़ा है, उसने देश की रणनीतिक दिशा ही बदल दी है। 2014 में जहां हमारा रक्षा उत्पादन 46,429 करोड़ रुपये था, वहीं 2023-24 में यह बढ़कर 1.27 लाख करोड़ रुपये हो गया। सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि रक्षा निर्यात में रही है, जो 1,941 करोड़ रुपये से बढ़कर 21,083 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह छलांग भारत के तकनीकी आत्मविश्वास और नीति-स्थिरता की कहानी कहती है। आज करीब 65 प्रतिशत रक्षा उपकरण देश में ही बनते हैं। रक्षा बजट में आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता देने हेतु 75 प्रतिशत राशि घरेलू खरीद के लिए आरक्षित की गई है। इससे न केवल देशी उद्योग को बढ़ावा मिला है, बल्कि स्टार्टअप और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग) की भी रक्षा उत्पादन से सीधे जोड़्रा गया है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में ग्रेटर नोएडा इंटरनेशनल ट्रेड शो में कहा था कि आत्मनिर्भरता केवल उत्पादन में नहीं, बल्कि नवाचार में होनी चाहिए। इसी नजरिये से रक्षा अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) पर विशेष ध्यान दिया गया है। आरएंडडी के लिए समर्पित करने की योजना इसी सोच का प्रमाण है। आज ‘इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस’ भारत के रक्षा क्षेत्र में परिवर्तन की धुरी बन चुका है। इस पहल के अंतर्गत अब तक 600 से अधिक डिफेंस-टेक स्टार्टअप उभरे हैं, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा और संचार प्रणालियों के लिए अत्याधुनिक समाधान विकसित कर रहे हैं। ये स्टार्टअप न केवल रक्षा कंपनियों के साथ सहयोग कर रहे हैं, बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर डिफेंस इनोवेशन हब के रूप में स्थापित भी कर रहे हैं। भारत की आत्मनिर्भरता केवल घर में सीमित नहीं है। विदेश नीति में भी यह आत्मविश्वास झलकता है। फ्रांस, ब्रिटेन, इटली और स्लोवाकिया जैसे देशों के साथ तकनीकी साझेदारियां भारत के रक्षा उद्योग को वैश्विक आपूर्ति शृंखला का अभिन्न हिस्सा बना रही हैं। फिलीपींस के राष्ट्रपति का यह कहना कि ‘मनीला अब अपनी कई रक्षा चुनौतियों के समाधान के लिए भारत की ओर रुख करेगा’ न केवल भारत की रक्षा तकनीक पर वैश्विक भरोसे को दर्शाता है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की उभरती भूमिका को भी मजबूत करता है। ब्रह्मोस मिसाइल सौदे के बाद यह दूसरा बड़ा संकेत है कि दक्षिण-पूर्व एशिया के देश चीन पर निर्भर रहने के बजाय भारत को एक भरोसेमंद सुरक्षा भागीदार के रूप में देख रहे हैं। गौरतलब है कि भारत का रक्षा निर्यात अब 100 से अधिक देशों तक पहुंच चुका है। सरकार ने 2030 तक 50,000 करोड़ रुपये के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है, जो उसकी मौजूदा प्राप्ति को देखकर दूर नहीं लगता। ‘इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन’ और ‘डीप टेक फंड ऑफ फंड्स’ जैसी पहलों ने एआई, रोबोटिक्स और सेमीकंडक्टर निर्माण में भारत को मजबूती दी है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता ने केवल सैन्य शक्ति नहीं बढ़ाई, बल्कि रोजगार व औद्योगिक विकास को भी गति दी है। रक्षा औद्योगिक गिलियोर विशेष रूप से उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में हजारों एमएसएमई को रक्षा आपूर्ति शृंखला में जोड़ रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि देश में अब तक 500 से अधिक रक्षा और एयरोस्पेस कंपनियां प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से रक्षा विनिर्माण में जुड़ी हैं। 2030 तक भारत का लक्ष्य तीन लाख करोड़ रुपये का रक्षा उत्पादन और 50 हजार करोड़ रुपये का निर्यात है। जाहिर है, ये सब केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि एक आत्मनिर्भर भारत के आत्मविश्वास की झलक हैं। (लेखक चैयमैरन, प्रसार भारती) (ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारतीय महिला क्रिकेट- नई उड़ान, नई संभावना को सलाम

(ललित गर्ग)
यह जीत केवल एक ट्रॉफी भर नहीं, बल्कि उस नारी शक्ति का उद्घोष है जो वर्षों से अपने अस्तित्व को साबित करने में लगी थी। भारतीय बेटियों ने मैदान में यह दिखा दिया कि अब खेल सिर्फ पुरुषों का क्षेत्र नहीं रहा, यह वह मंच है जहां नारी की प्रतिभा, रणनीति, धैर्य और आत्मविश्वास अपनी सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह केवल क्रिकेट की जीत नहीं, बल्कि भारत की नारी शक्ति, परिश्रम और आत्मविश्वास की जीत है। सच भी यही है कि यह विजय भारत की नई महिला चेतना का प्रतीक है, वह चेतना जो अब हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ रही है। अब भारतीय महिलाओं को हाशिया नहीं, पूरा पृष्ठ चाहिए और यह बात उन्होंने इस ऐतिहासिक जीत को हासिल करके साबित किया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार महिला वनडे विश्व कप अपने नाम कर ऐतिहासिक जीत हासिल की है। भारत और दक्षिण-अफ्रीका का फाइनल विश्व कप मैच सदा के लिए इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों के साथ अतीत के पन्नों में दर्ज हो गई है। हरमनप्रीत की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम ने यह यादगार जीत हासिल की है। इससे पहले मिताली राज की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम 2005 और 2017 में फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन यहां आकर ट्रॉफी हाथ से फिसल गई थी। भारतीय महिला टीम ने टॉस हारने के बाद भी बल्लेबाजी के लिए उतरी और 298 रन बनाए। साउथ अफ्रीका की टीम इस आंकड़े को छू नहीं पाई, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर 47 साल के इंतजार को खत्म किया। इस महान सफलता के पीछे आईसीसी अध्यक्ष जय शाह की दूरदर्शी नीतियों और नेतृत्व का भी बड़ा योगदान है। उनके कार्यकाल में महिला क्रिकेट को वह सम्मान और अवसर मिले जिसकी वह वर्षों से हकदार थी। जय शाह ने न केवल संरचनात्मक सुधार किए बल्कि महिला क्रिकेट के लिए आधारभूत ढांचे, सुविधाओं और प्रोत्साहन योजनाओं को नई दिशा दी। उन्होंने यह साबित कर दिया कि जब नेतृत्व में दृष्टि होती है, तो इतिहास बदलता है। इस विश्व कप में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने खेल से दुनिया को चकित किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जिस साहस और सुझबूझ से टीम का नेतृत्व किया, वह प्रेरणा का विषय है। उनके बल्ले से निकले हर रन ने नारी शक्ति की धुन गाई। स्मृति मंधाना की क्लासिकल बल्लेबाजी ने विपक्षी गेंदबाजों को बेहाल कर दिया, जबकि युवा खिलाड़ी शोफाली वर्मा की आक्रामकता ने नई पीढ़ी को ऊर्जा की स्वर दिया। गेंदबाजी में रेणुका ठाकुर और पूजा वसत्राकर की सटीक लाइन-लेंथ ने टीम को हर



मुश्किल समय में संभाला, वहीं स्पिनर दीप्ति शर्मा ने अपनी जादुई गेंदों से विरोधियों के हौसले परस्त किए। इस टूर्नामेंट में भारत की फील्डिंग और फिटनेस भी अप्रतिम रही, जो यह दर्शाती है कि अब भारतीय महिला क्रिकेट केवल तकनीक नहीं, बल्कि रणनीति और समर्पण के सर्वोच्च मानकों पर खड़ी है। महिला क्रिकेट खिलाड़ी नवीन क्षमताओं की नई उड़ान भरते हुए हर मन की मुराद पूरी कर रही है। यह जीत केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय खेल संस्कृति में परिवर्तन की दिशा का प्रतीक है। आज भारत की बेटियां छोटे कस्बों और गाँवों से निकलकर विश्व मंच पर चमक रही हैं। यह उस सामाजिक परिवर्तन का परिणाम है जिसमें परिवार, समाज और सरकार ने नारी खेल प्रतिभा को अवसर देना

शुरू किया है। महिला विश्व कप 2025 ने यह सिद्ध कर दिया कि अब भारत में खेल सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं, यह राष्ट्रीय चेतना और गौरव का हिस्सा बन चुका है। यह नारी स्वाभिमान, श्रम और संघर्ष की कहानी है। क्रिकेट अब केवल पुरुषों की लोकप्रियता का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि महिलाओं की असाधारण योग्यता का उत्सव बन गया है। भारत की यह जीत उस भविष्य की ओर इशारा करती है जहाँ खेल, लिंग भेद से परे, केवल प्रतिभा और परिश्रम के आधार पर सम्मान पाएगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की यह ऐतिहासिक विजय केवल कप जीतने की कहानी नहीं है, यह उस भारत की घोषणा है जो अपनी बेटियों को आगे बढ़ाने का साहस रखता है। यह जीत हर उस लड़की की प्रेरणा है जो गली के मैदान में क्रिकेट

गुरु नानक का प्रकाश पर्व- हर युग के अंधकार को मिटाने वाला संदेश

(योगेश कुमार गोयल)
गुरु नानक का विवाह 19 वर्ष की आयु में गुरदासपुर के मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ किन्तु धार्मिक प्रवृत्ति के नानक को गृहस्थाश्रम रास नहीं आया और वे सांसारिक मायाजाल से दूर रहने का प्रयास करने लगे। पिता ने उन्हें व्यवसाय में लगाना चाहा किन्तु व्यवसाय में भी उनका मन न लगा। सिख धर्म के आदि संस्थापक और सिखों के पहले गुरु हैं गुरु नानक देव, जो केवल सिखों में ही नहीं वरन् अन्य धर्मों में भी उतने ही सम्माननीय हैं। उनका जन्म तलवंडी (जो भारत-पाक बंटवारे के समय पाकिस्तान में चला गया) में सन् 1469 में हुआ था। प्रतिवर्ष कार्तिक मास की पूर्णिमा को गुरु नानक जयंती मनाई जाती है, जिसे 'प्रकाश पर्व' भी कहा जाता है और इस बार 5 नवम्बर को गुरु नानक का 556वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। हालाँकि अब तक इसका कारण ज्ञात नहीं है कि गुरु नानक जयंती किसी एक निश्चित तिथि की न मनाकर कार्तिक मास की पूर्णिमा को ही क्यों मनाई जाती है? नानक जब केवल पांच साल के थे, तभी धार्मिक और आध्यात्मिक वार्ताओं में गहन रुचि लेने लगे थे। अपने साथियों के साथ बैठकर वे परमात्मा का कीर्तन करते और अकेले में घंटों कीर्तन में मग्न रहते। दिखावे से कोसों दूर वे यथार्थ में जीते थे। जिस काय में उन्हें दिखावे अथवा प्रदर्शन का अहसास होता, उसकी वास्तविकता जानकर वे विभिन्न साधु-संतों और जरूरतमंदों में बांट दिया और एक दिन घर का त्याग कर परमात्मा की

कोशिश करते। नानक जब 9 वर्ष के हुए तो उनके पिता काल्चंद खत्री, जो पटवारी थे और खेती-बाड़ी का कार्य भी करते थे, ने उनका यज्ञोपवीत संस्कार कराने के लिए पुरोहित को बुलाया। पुरोहित ने यज्ञोपवीत पहनाने के लिए नानक के गले की ओर हाथ बढ़ाया तो नानक ने उनका हाथ पकड़कर पूछा कि आप यह क्या कर रहे हैं और इससे क्या लाभ होगा? पुरोहित ने कहा कि बेटे, यह जनेऊ है, जिसे पहनने से मोक्ष की प्राप्ति होती है और इसे पहने बिना मनुष्य शुद्ध की श्रेणी में रहता है। तब नानक ने उनसे पूछा कि पुरोहित जी, सूत का बना यह जनेऊ मनुष्य को भला मोक्ष कैसे दिला सकता है क्योंकि मनुष्य का अंत होने पर जनेऊ तो उसके साथ परलोक में नहीं जाता। नानक के इन शब्दों से सभी व्यक्ति बहुत प्रभावित हुए और आखिरकार पुरोहित को कहना पड़ा कि बेटा, तुम सत्य कह रहे हो, वास्तव में हम अंधविश्वासों में डूबे हैं। गुरु नानक का विवाह 19 वर्ष की आयु में गुरदासपुर के मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ किन्तु धार्मिक प्रवृत्ति के नानक को गृहस्थाश्रम रास नहीं आया और वे सांसारिक मायाजाल से दूर रहने का प्रयास करने लगे। पिता ने उन्हें व्यवसाय में लगाना चाहा किन्तु व्यवसाय में भी उनका मन न लगा। एक बार पिता ने कोई काम-धंधा शुरू करने के लिए उन्हें कुछ धन दिया लेकिन नानक ने सारा धन साधु-संतों और जरूरतमंदों में बांट दिया और एक दिन घर का त्याग कर परमात्मा की



खोज में निकल पड़े। पाखंडों के घोर विरोधी रहे गुरु नानक की यात्राओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों को परमात्मा का ज्ञान कराना किन्तु बाह्य आडम्बरों एवं पाखंडों से दूर रखना ही था। वे सदैव छोटे-बड़े का भेद मिटाने के लिए प्रयासरत रहे और उन्होंने निम्न कुल के समझे जाने वाले लोगों को सदैव उच्च स्थान दिलाने के लिए प्रयास किया। गुरु नानक को एक बार भागो मलिक नामक एक अमीर ने भोजन के लिए अपने घर आमंत्रित किया लेकिन नानक जानते थे कि वह गरीबों पर बहुत अत्याचार करता है, इसलिए उन्होंने भागो का निमंत्रण स्वीकार नहीं किया और एक मजदूर के

निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार कर लिया। भागो ने इसे अपना अपमान मानते हुए गुरु नानक को खूब खरी-खोटी सुनाई तथा अपमानजनक शब्द कहे लेकिन नानक ने सरल शब्दों में उसे कहा कि तेरी कमाई पाप की कमाई है जबकि इस मजदूर की कमाई मेहनत की कमाई है। भागो यह सुनते ही भड़क उठा और गुरुसे में फुफकारते हुए कहने लगा कि तुम अव्वल दर्जे के पाखंडी और नीच कुल के हो, तभी तो नीच कुल वालों का ही निमंत्रण स्वीकार करते हो। इस पर गुरु नानक ने जवाब दिया कि मैं वह भोजन कदापि ग्रहण नहीं कर सकता, जो गरीबों का खून चूसकर तैयार किया गया हो।

भागो ने गुरुसे से उबलते हुए सवाल किया कि मेरे स्वादिष्ट व्यंजनों से तुम्हें खून निकलता दिखाई देता है और उस मजदूर की बासी रोटियों से ...?’ ‘दूध। और अगर तुम्हें विश्वास न हो तो स्वयं आजमाकर देख लो।’ नानक ने कहा। घमंड व क्रोध से सराबोर भागो ने अपने घर से स्वादिष्ट व्यंजन मंगवाए और नानक ने उस मजदूर के घर से बासी रोटी। तब नानक ने एक हाथ में भागो के स्वादिष्ट व्यंजन लिए और दूसरे में मजदूर के घर की बासी रोटी और दोनों हाथों को एक साथ दबाया। जब वहां उपस्थित लोगों ने देखा कि मजदूर की बासी रोटी से दूध की धार निकल रही है जबकि भागो के स्वादिष्ट व्यंजनों से खून की धार तो उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा। यह देख भागो का अहंकार चूर-चूर हो गया और वह गुरु नानक के चरणों में गिरकर क्षमा याचना करने लगा। गुरु नानक एक बार हरिद्वार पहुंचे तो उन्होंने देखा कि बहुत से लोग गंगा में स्नान करते समय अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पूर्व दिशा की ओर उल्ट रहे हैं। उन्होंने विचार किया कि लोग किसी अंधविश्वास के कारण ऐसा कर रहे हैं। तब उन्होंने लोगों को वास्तविकता का बोध कराने के उद्देश्य से अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पश्चिम दिशा की ओर उलटना शुरू कर दिया। जब लोगों ने काफी देर तक उन्हें इसी प्रकार पश्चिम दिशा की ओर पानी उलटते देखा तो उन्होंने पूछ ही लिया कि भाई तुम कौन हो और पश्चिम दिशा में जल देने का तुम्हारा क्या अभिप्राय है? नानक ने उन्हीं से पूछा कि पहले

आप लोग बताएं कि आप पूर्व दिशा में पानी क्यों दे रहे हैं? लोगों ने कहा कि वे अपने पूर्वजों को जल अर्पित कर रहे हैं ताकि उनकी व्यासी आत्मा को तृप्ति मिल सके। इस पर नानक ने पूछा कि तुम्हारे पूर्वज हैं कहां? लोगों ने जवाब दिया कि वे परलोक में हैं लेकिन तुम पश्चिम दिशा में किस पानी दे रहे हो? गुरु नानक बोले कि यहां से थोड़ी दूर मेरे खेत हैं। मैं यहां से अपने उन्हीं खेतों में पानी दे रहा हूँ। लोग आश्चर्यचकित होकर पूछने लगे, ‘‘खेतों में पानी! पानी खेतों में कहां जा रहा है? यह तो वापस गंगा में ही जा रहा है और यहां पानी देने से आपके खेतों में पानी जा भी कैसे सकता है?’’ गुरु नानक ने उनसे पूछा कि यदि पानी नजदीक में ही मेरे खेतों तक नहीं पहुंच सकता तो इस प्रकार आप द्वारा दिया जा रहा जल इतनी दूर आपके पूर्वजों तक कैसे पहुंच सकता है? लोगों को अपनी गलती का अहसास हुआ और वे गुरु जी के चरणों में गिरकर प्रार्थना करने लगे कि उन्हें सही मार्ग दिखाएँ ताकि जिससे उन्हें परमात्मा की प्राप्ति हो सके। गुरु नानक सदैव मानवता के लिए जीए और जीवनपर्यन्त शोषितों व पीड़ितों के लिए संघर्षरत रहे। उनका वाणी को लोगों ने परमात्मा की वाणी माना और इसीलिए उनकी यही वाणी उनके उपदेश एवं शिक्षाएं बन गईं। ये उपदेश किसी व्यक्ति विशेष, समाज, सम्प्रदाय अथवा राष्ट्र के लिए ही नहीं बल्कि चराचर जगत एवं समस्त मानव जाति के लिए उपयोगी हैं। (लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)



सर्व आदिवासी समाज ने जताया विरोध

विभूतियों के अपमान और एकतरफा कार्रवाई के खिलाफ मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

बीजापुर। सर्व आदिवासी समाज जिला बीजापुर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम बीजापुर कलेक्टर सबित मिश्रा को सौंप कर प्रदेश में मूलनिवासी समुदाय (ST, SC, OBC) के सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभूतियों के साथ हो रहे लगातार तिरस्कार, मूर्तियों के अपमान तथा प्रशासनिक भेदभावपूर्ण रवैये के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

समाज के जिला अध्यक्ष जगूराम तेलामी ने बताया कि छत्तीसगढ़ के वीर सपूतों शहीद वीर नारायण सिंह और वीर गुंडाधुर धुरवा की मूर्तियाँ बसना और जगदलपुर में खण्डित की गईं, परंतु आज तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि यह न केवल प्रदेश के नायकों का अपमान है बल्कि पूरे मूलनिवासी समाज की आस्था पर प्रहार है।



ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि राज्य में प्रवासी समुदाय के लोगों द्वारा बनाए गए ट्रस्टों में मूल

छत्तीसगढ़िया लोगों को हाशिए पर रखा जा रहा है। जब मूलनिवासी परंपरागत अधिकारों की मांग करते

हैं, तो उन्हीं पर पुलिस कार्रवाई होती है। वहीं, जब उनके देव-धामी या विभूतियों का अपमान किया

जाता है, तो प्रशासन मूकदर्शक बना रहता है। जगूराम तेलामी ने कहा कि यह द्वेषपूर्ण एवं दोयम दर्जे का व्यवहार राज्य के मूल निवासियों के प्रति गहरा अन्याय है। यदि प्रशासन ने समय रहते ऐसे भेदभावपूर्ण रवैये में सुधार नहीं किया, तो आने वाले दिनों में पूरे राज्य में व्यापक जनआक्रोश भड़क सकता है। सर्व आदिवासी समाज ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि दोषी अधिकारियों एवं तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए और मूलनिवासियों के सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए। इस दौरान सर्व आदिवासी समाज के सचिव कमलेश पैकरा, उपाध्यक्ष पाकलू तेलम, महार समाज अध्यक्ष अजय दुर्गम, सतीश झाड़ो, श्रवण सैझ, जिल्लूस तिकी, सतीश मंडावी सहित अन्य सामाजिक पदाधिकारी मौजूद थे।

गोवर्धन सेवा समिति ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया राधा कृष्ण मंदिर का 25 वां स्थापना दिवस



कोण्डागांव। कोंडागांव स्थित गोवर्धन सेवा समिति यादव समाज द्वारा श्री राधा कृष्ण मंदिर का 25वां स्थापना दिवस बड़े ही श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। समाज से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंदिर में भगवान श्री राधा कृष्ण की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा वर्ष 2000 में विधि-विधानपूर्वक की गई थी। तब से लेकर अब तक हर वर्ष कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर यह उत्सव मनाया जाता है। इस वर्ष मंदिर स्थापना के रजत जयंती वर्ष

पर विशेष धार्मिक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अखंड रामायण पाठ से हुआ, जो पूरे वातावरण को भक्तिमय बनाता रहा। इसके उपरांत हवन पूजन और प्रसाद वितरण किया गया। दिनभर श्रद्धालु जन मंदिर में दर्शन के लिए आते रहे और भक्ति गीतों की मधुर ध्वनियों से परिसर गुंजता रहा। इस अवसर पर यादव समाज के साथ-साथ अन्य समाजों के श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने भगवान राधा कृष्ण से क्षेत्र में सुख, शांति और

समृद्धि की कामना की। समिति के सदस्यों ने बताया कि मंदिर की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होना समाज के लिए गर्व और आस्था का प्रतीक है। इस अवसर पर गोवर्धन सेवा समिति द्वारा भविष्य में मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण और भक्ति कार्यक्रमों के विस्तार की भी घोषणा की गई। भक्तों के लिए यह अवसर न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि सामाजिक एकता और सामूहिक सहभागिता का भी सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करता है।

धनी धर्मदास साहब प्रगट उत्सव पर तोरण्डी परिक्षेत्र में उमड़ा श्रद्धा और भक्ति का माहौल



कोण्डागांव। कोंडागांव जिले के ग्राम तोरण्डी में कार्तिक पूर्णिमा 2025 के अवसर पर अत्यंत हर्ष और उत्साह के साथ इस वर्ष भी धनी धर्मदास साहब प्रगट उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिक्षेत्र के ग्राम अमरावती, मालगांव, बीजापुर, घोड़सोडा, सिलाटी, करंडी, हीरापुर, इंगरा और माकड़ी के कबीरपंथ समाजजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कबीर पंथ बस्तर प्रचारक महंत फूलदास ने सदगुरु कबीर साहब के वाणी वचनों का अमृत रसपान कराते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को सत्संग का संदेश दिया। इसी क्रम में सात्विक आनंदी चौका आरती का आयोजन महंत बुधमन

दास के करकमलों से सम्पन्न हुआ। वहीं ध्वजारोहण व निशान पूजा का कार्य महंत रामेश्वर दास द्वारा संपन्न किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मानिकपुरी पनका समाज ब्लॉक अध्यक्ष माकड़ी सन्यासी दास ने की, जिन्होंने पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया। इस अवसर पर सदगुरु कबीर धनी धर्मदास वंशशाली मिशन के छत्तीसगढ़ राज्य सह युवा प्रतिनिधि अर्जुनदास प्रधान तथा ज्वट मिशन जिला युवा प्रतिनिधि, कोंडागांव के नकुल नाग विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पूरे परिक्षेत्र में भक्ति, सेवा और सदभाव का अदभुत वातावरण देखने को मिला।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 2025 : जिले में धान खरीदी की निगरानी हेतु इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर गठित



जगदलपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था को सुदृढ़, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर हरिस एस द्वारा जिला स्तरीय इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर एवं

नियंत्रण कक्ष का विधिवत गठन करते हुए अधिकारी-कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय नया रायपुर से प्राप्त निर्देशों और जिला स्तरीय उड़नवस्त्रा दल की अनुशंसा के आधार

पर यह पहल किया गया है। इस सेल का प्राथमिक उद्देश्य धान खरीदी के दौरान संभावित अनियमितताओं पर नियंत्रण रखना और धान के अवैध पुनर्चक्रण को रोकना है, ताकि वास्तविक किसानों को ही उनकी उपज का सही मूल्य मिल

सके। उक्त जिला स्तरीय कंट्रोल सेल जिला विपणन अधिकारी कार्यालय जगदलपुर में स्थापित की गई है, जहाँ नियुक्त अधिकारी और कर्मचारी प्रभावी ढंग से निगरानी सुनिश्चित करेंगे। सेल में तैनात अधिकारियों में डिप्टी कलेक्टर

सत्येन्द्र कुमार बंजारे को प्रभारी अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। उनके साथ सहायक प्रोग्रामर मेहरुन निशा और अचम भास तकनीकी सहायक और डेटा प्रबंधन का कार्य देखेंगे। साथ ही डेटा एंट्री ऑपरेटर अभिषेक पाण्डेय और अभिषेक राव डेटा प्रविष्टि एवं संचालन में सहायता करेंगे। वहीं जिला विपणन कार्यालय के लेखा अधिकारी बलिराम कश्यप को इस महत्वपूर्ण सेल का नियमित रूप से सुचारू संचालन एवं मॉनिटरिंग की जवाबदेही सौंपी गई है। कंट्रोल सेल अपने कामकाज में संपूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने के लिए एक रजिस्टर का उपयोग करेगा, जिसमें समस्त गतिविधियों को पृथक् से दर्ज किया जाएगा। इसके अलावा सेल का एक मुख्य कार्य जिला स्तरीय एवं तहसील स्तरीय सूचना का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना होगा। समस्त प्राप्त शिकायतें व सुझाव और निराकरण की जानकारी नियंत्रण कक्ष नंबर +91-74898-70170 पर संकलित की जाएगी और तत्पश्चात इसे खाद्य शाखा जगदलपुर को प्रेषित किया जाएगा।

हितावर में विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलम्पिक हुआ समापन



किरंदुल। विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलंपिक खेल का समापन हितावर मैदान में हुआ। इस आयोजन में खे-खे कबड्डी वॉलीबॉल फुटबॉल एथलेटिक्स एवं अन्य खेलों का प्रदर्शन किया गया पांच जोन से चुनकर आए खिलाड़ी अपने खेलों का प्रतिभा दिखाएं और विजेता बनकर जिला सस्तरीय आयोजन के लिए चर्चानित हुए प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को मोमेंटो एवं प्रमाण पत्र वितरण किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष सुकाल मुडामी ने आयोजन की प्रशंसा की और कहा कि ग्रामीण स्तर में यह खेल होते रहना चाहिए ताकि ग्रामीणों को भी खेल क्षेत्र में आगे जाने का अवसर प्राप्त हो।इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष दीपिका भदौरिया, सीईओ एम आर कश्यप, बीईओ प्रमोद भदौरिया एबीईओ मनोज सिंह रावैड बीआरसी रतु राणा, संकुल समन्वयक शिक्षक शिक्षिकाएं और बच्चे उपस्थित रहे।

कलेक्टर और एसपी ने निर्माणाधीन पासंगी पुल का किया निरीक्षण

किरंदुल। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के साथ फरसगांव और पासंगी मार्ग पर निर्माणाधीन पुल का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य में आ रही दिक्कतों को दूर करने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नगरवासियों से चर्चा की। इस दौरान कलेक्टर और एसपी ने निर्माण कार्य सुचारू ढंग से संपन्न कराने में आवश्यक सहयोग की अपील की। चर्चा के दौरान एक माह के भीतर डायवर्सन बनाने के लिए समय दिया गया है। साथ ही संबंधित



अधिकारियों और ठेकेदारों को कार्य की महत्ता को देखते हुए निर्माण कार्य समय पर पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। इस अवसर

पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रशांत पात्र, एसडीएम अश्वन पुसाम सहित तहसीलदार और संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आरएसएस द्वारा चलाई जा रही हैं व्यापक गृह संपर्क अभियान



किरंदुल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष के अंतर्गत देशभर में 20 नवंबर तक गृह संपर्क अभियान चला रहें हैं। साथ ही हिंदू सम्मेलन आयोजित करने की रूपरेखा तय कर रहा हैं। जिसके तहत बुधवार हाइचरि टावर भारत माता की तैलचित्र, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष की पुस्तिका,पंच परिवर्तन का पर्चा वितरण किया गया। यह कार्यक्रम बस्ती-मंडल स्तर पर हो रही है। गृह संपर्क अभियान में

पालको, युवा युवतियों एवं विशिष्टजनों से संपर्ककिया जा रहा हैं। गृह संपर्क अभियान में पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता ,पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्व आधारित जीवन और नागरिक कर्तव्य बोध के बारे में लोगों को जागरूक कर रहे हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के दक्षिण बस्तर विभाग प्रचारक महेंद्र नायक,नगर संचालक रामकृष्ण बैरागी, मोहित देशमुख, मृत्युंजय साहू, गजेन्द्र गुप्ता, दिनेश साहू उपस्थित थे।

चिखलपुट्टी में आयोजित सुपोषण चौपाल में शामिल हुई कलेक्टर

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ग्राम चिखलपुट्टी के आंगनबाड़ी केन्द्र प्लाटपारा में आयोजित सुपोषण चौपाल एवं पालक बैठक में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी स्थिति की जानकारी ली तथा उपस्थित माताओं से संवाद किया।



कलेक्टर ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए प्रत्येक परिवार को स्वस्थ व्यवहार अपनाना आवश्यक है। उन्होंने माताओं से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से स्तनपान कराएं और स्वयं भी पौष्टिक एवं संतुलित आहार लें। उन्होंने बताया कि हर दो घंटे के अंतराल पर शिशुओं को स्तनपान कराना उनके शारीरिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर ने बच्चों का वजन नियमित रूप से

कराने और निर्धारित डाइट चार्ट के अनुसार भोजन कराने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने बच्चों को रेडी टू ईट आहार नियमित रूप से देने को कहा। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा प्रस्तुत विविध गतिविधियों का कलेक्टर ने अवलोकन किया और उनकी सराहना की। इस अवसर पर

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता धनराजी शुक्ला ने परवरिश के चौपियन कार्यक्रम के तहत 'नाप-तौल' थीम पर माताओं को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक जानकारी दी। साथ ही समुचित देखभाल और पोषण आहार के बारे में भी बताया।



कोण्डागांव। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा खाद्य प्रसंस्करण इकाई की स्थापना हेतु प्रोत्साहित करने के लिए कार्यालय जनपद पंचायत केशकाल के सभा कक्ष में उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें नगर पंचायत अध्यक्ष केशकाल बिहारी

लाल शोरी की अध्यक्षता में शुभारंभ किया गया। इस कार्यशाला में नगर की महिला स्व सहायता समूहों को खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित मार्गदर्शन दिया गया। जिसमें समूह के महिलाओं ने बड़ी, मिनी राईस मिल, अचार, पापड़, मक्का पोहा के निर्माण हेतु उत्सुकता दिखाई।

बयानार में राजमिरन्त्री प्रशिक्षण का 30 दिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न

कोण्डागांव। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भाई के मार्गदर्शन में ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ प्रधानमंत्री आवास के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए एक सराहनीय कदम उठाते हुए ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान जगदलपुर द्वारा आयोजित 30 दिवसीय ऑफ कैम्पस राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन ग्राम पंचायत बयानार, विकासखण्ड कोंडागांव में हुआ। इस प्रशिक्षण में ग्राम बयानार एवं आसपास के क्षेत्रों के युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को निर्माण कार्यों की तकनीकी जानकारी जैसे ईट जोड़ाई, माप-जोख, सीमेंट-रेत



अनुपात, प्लास्टरिंग, दीवार निर्माण, वाटर लेवल सेटिंग, सुरक्षा उपाय एवं निर्माण गुणवत्ता नियंत्रण का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान कर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) जैसे शासन के महत्वपूर्ण

योजना त्वरित निर्माण कराया जाना है। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रमाणपत्र प्रदान किए गए तथा जगदलपुर द्वारा प्रत्येक प्रशिक्षु को राजमिस्त्री का कार्य हेतु आवश्यक टूलकिट भी वितरित की गई, जिससे वे अपने कार्य को स्वयं प्रारंभ कर सकें और आत्मनिर्भर बनें।

संक्षिप्त समाचार

सड़कों की मरम्मत के लिए पीडब्ल्यूडी ने शुरू किया अभियान, साल के अंत तक पूरे होंगे सभी मरम्मत कार्य



बिलासपुर। लोक निर्माण विभाग द्वारा जिले के सड़कों के मरम्मत का काम युद्धस्तर पर प्रारंभ कर दिया है। उप मुख्यमंत्री एवं छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण मंत्री श्री अरूण साव ने खराब सड़कों का सुगम आवागमन के अनुरूप सुधार करने के निर्देश दिए हैं। जिसके लिए माह दिसम्बर 2025 तक मरम्मत के कार्य पूरे करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान में लोक निर्माण विभाग के संभाग क्रमांक 1 के अंतर्गत जिले के विभिन्न मार्गों में बी.टी. पेच रिपेयर का कार्य जारी है। मोपक, खैरा, गतौरा, जयरामनगर मार्ग में बी.टी. पेच का काम 6 नवम्बर से शुरू कर दिया गया है और कार्य प्रगति पर है। शेष बी.टी. पेच के कार्य इस साल के अंत तक पूरे कर लिये जाएंगे। लोक निर्माण विभाग संभाग बिलासपुर के कार्यपालन अभियंता श्री सी एस विन्ध्यराज ने बताया कि विभाग का लक्ष्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण पेच रिपेयर कार्य पूर्ण करना है। यह मरम्मत अभियान जिले के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। लोक निर्माण विभाग बिलासपुर द्वारा की जा रही यह पहल जिले की सड़क व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने एवं नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

शराब दुकानों में अहाता संचालन के लिए आवेदन 8 नवम्बर से

बिलासपुर। आबकारी विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 की शेष अवधि एवं वर्ष 2026-27 के लिए देशी कम्पोजिट मदिरा दुकान पौंसरा, बंधवापारा, देशी-विदेशी मदिरा दुकान बेलतरा से संलग्न मदिरा अहाता के लिए पुनः ऑनलाईन निविदा आमंत्रित किये गये हैं। ऑनलाईन आवेदन 8 नवम्बर को सवेरे 10.30 से प्रारंभ होगी, जो 24 घंटे और सप्ताह के सभी सातों दिन अनवरत जारी रहेगी। ऑनलाईन आवेदन पर कर सकते हैं। लाइसेंस का आबंटन छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 एवं इसके अधीन बनाए गए छत्तीसगढ़ आबकारी देशी एवं विदेशी मदिरा की फुटकर बिक्री के अनुज्ञापनों के व्यवस्थापन नियम, 2018 (संशोधित) के अंतर्गत किया जाएगा। यह प्रक्रिया ऑनलाईन के माध्यम से पहले आओ पहले पाओ के आधार पर निष्पादित की जाएगी। अनुज्ञप्तियों की वैधता वित्तीय वर्ष 2025-26 की शेष अवधि एवं वर्ष 2026-27 तक होगी।

आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर आवेदन 21 नवम्बर तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना मस्तुरी अंतर्गत ग्राम बहतरा के आंगनबाड़ी केंद्र बहतरा 01 में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त 1 पद पर 21 नवम्बर तक आवेदन किये जा सकते हैं। आवेदन के संबंध में अधिक जानकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना मस्तुरी के कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

जिला पुलिस में आरक्षक ट्रेडमेन एवं चालक भर्ती के लिए ट्रेड टेस्ट 17 नवम्बर से

बिलासपुर। जिला पुलिस बल में आरक्षक चालक एवं आरक्षक ट्रेडमेन के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती के लिए 17 नवम्बर से 19 नवम्बर तक ट्रेड टेस्ट का आयोजन किया गया है। पूर्व में आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण एवं लिखित परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को इस टेस्ट के लिए बुलाया गया है। सीधी भर्ती वर्ष 2023-24 के लिए आयोजित यह टेस्ट संभागीय मुख्यालय बिलासपुर के पुलिस परेड मैदान में 17 नवम्बर से शुरू होगा। बिलासपुर सहित कोरबा एवं जीपीएम जिले के लिए आरक्षक चालक एवं ट्रेडमेनों की भर्ती इसमें की जायेगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह ने बताया कि टेस्ट के पहले दिन 17 नवम्बर को बिलासपुर जिले में आरक्षक चालक के लिए 100, आरक्षक कुक ट्रेड के लिए 5, आरक्षक नाई ट्रेड के लिए 11 और आरक्षक टेलर ट्रेड के लिए 4 अभ्यर्थियों को शामिल होने के लिए बुलाया गया है।

प्रमुख सचिव बोरा ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

■ जनजातीय गौरव दिवस एवं राज्य स्तरीय कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

■ 21.73 करोड़ की लागत से जरहाभाठा में बनेगा 300 सीटर बालक छात्रावास

बिलासपुर। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणी बोरा ने आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में विभागीय योजनाओं में प्रगति की समीक्षा की। बैठक में बिलासपुर संभाग सहित कुल 10 जिलों बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, सक्ती, सारांगढ़-बिलाईगढ़, बलौदाबाजार, मुंगेली, कबीरधाम, रायगढ़ एवं कोरबा के

अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ, संबंधित सहायक आयुक्त एवं विभागीय अधिकारी मौजूद थे। श्री बोरा ने अधिकारियों से कहा कि विभागीय योजनाओं की निगरानी नियमित समीक्षा एवं फ़ील्ड निरीक्षण के माध्यम से की जाए। उन्होंने अधिकारियों से जनजातीय समुदाय के बीच जाकर योजनाओं की जानकारी देने, संपर्क एवं संवाद बढ़ाने पर भी बल दिया। शासन की योजनाओं का लाभ तभी सार्थक होगा जब वह अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सभी अधिकारी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने योजनाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अपूर्ण कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि जो कार्य नियोजित अवधि में पूर्ण नहीं किए जा सकते, उन्हें निरस्त किया जाए, और जो कार्य पूर्ण हो चुके हैं, उनके उपयोगिता

राष्ट्रीय गीत की 150 वीं वर्षगांठ पर वंदे मातरम् का सामूहिक गायन

वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ का उत्सव कोटि-कोटि देशवासियों को नई ऊर्जा और नई प्रेरणा से भर देगा: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

■ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी कार्यक्रम से जुड़े

■ साल भर तक चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की शुरुआत

बिलासपुर। वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज देशवासियों को संबोधित किया। इस अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मंथन सभाकक्ष में प्रधानमंत्री के उद्बोधन को सुना गया और वन्देमातरम का सामूहिक गान किया गया। बिल्हा विधायक श्री धर्मलाल कौशिक, जिला

पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, नगर निगम कमिश्नर श्री अमित कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल एवं जिले के सभी विभागीय अधिकारी इस अवसर पर मौजूद रहे। इस दौरान देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा, राष्ट्रीय चेतना की भावना को संजोए हुए सभी ने वंदे मातरम् राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन किया और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को सुना। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वंदे मातरम् की 150 वर्ष की यात्रा असाधारण यात्रा है। वंदे मातरम् का अद्भुत अनुभव अभिव्यक्ति से परे है। एक ऐसा तारत्व्य जिसकी तरंग ने हृदय को स्पर्दित कर दिया है। यह उत्सव कोटि-कोटि देशवासियों को नई ऊर्जा और नई प्रेरणा से भर देगा। उन्होंने कहा कि



बंकिचंद्र चटर्जी रचित आनंद मठ में वंदे मातरम् की एक-एक पंक्ति में शक्ति, भाव गहरे हैं तथा स्वाधीन भारत का स्वप्न है। वंदे मातरम् आजादी के संकल्प का उद्घोष बन गया है। स्वतंत्रता संग्राम के दौर में वंदे मातरम् जन-जन का स्वर बन गया। सुजलाम् सुफ़लाम् मलयजशीतलाम्, शश्यश्यामलाम् मातरम् ... मातृभूमि को नमन, हमारी हजारों वर्ष पुरानी

पहचान, यहां की नदियां, पहाड़, वन, उपजाऊ मिट्टी और धरती भारत की समृद्धि की कहानी दुनिया को बताती रही। उन्होंने यह ताकत दी कि मुश्किलों के बावजूद भारत अपने स्वर्णिम दौर को पुनरू प्राप्त कर सकता है और समृद्ध भारत का आह्वान किया। वंदे मातरम् हर दौर में प्रासंगिक एवं अमर है। इस अवसर पर सभी ने वंदे मातरम् राष्ट्रगीत का सामूहिक गान किया

और वंदे मातरम् का जयघोष किया। बिल्हा विधायक श्री धरम लाल कौशिक ने इस अवसर पर कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं बल्कि हजारों-करोड़ों बलिदानियों को याद करने का अवसर है। जिनके सम्मान के लिए हम सभी एकजुट हुए हैं। यह अवसर मिट्टी से जुड़ने का सीमाय है, यह गीत राष्ट्रीय चेतना और गौरव का प्रतीक है। गीत के 150 वीं वर्षगांठ के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चार चरणों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन देशभर में किया जाएगा। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि जिले में इस गीत के 150 वीं वर्षगांठ को उत्साह से मनाया जाएगा, उन्होंने सभी से वन्देमातरम् गीत के स्मरणोत्सव पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता और अपने आसपास के लोगों को भी वन्देमातरम गीत के प्रति जागरूकता का संदेश देने की अपील की है।

उद्यमियों एवं बैंक अधिकारियों के बीच कनेक्ट कार्यक्रम हुआ

बैंक ऋण के बारे में दी गई विस्तार से जानकारी

बिलासपुर। विश्व बैंक समर्थित भारत सरकार की योजना रैम्प के अंतर्गत जल संसाधन परिसर के प्रार्थना भवन में ‘‘उद्योग एवं बैंकर्स कनेक्ट कार्यक्रम’’ का आयोजन जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र बिलासपुर के तत्वाधान में आयोजित किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य एमएसएमई को हरित बनाने में सहायता करना, ऋहा तक पहुंच को सुगम बनाना बाजार तक पहुंच बनाना विलंबित भुगतान के मुद्दों का समाधान करना एवं इस संबंध में भागीदारों के साथ चर्चा परिचर्चा कर समाधान करना मुख्य उद्देश्य है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने नवीन उद्यमियों को संबोधित करते हुए बताया कि यदि



व्यापार व्यवसाय के क्षेत्र में आगे बढ़ना है तो बैंक का सहयोग अनिवार्य है साथ ही उन्होंने हितग्राहियों से समयावधि में किस्त पटाने एवं बैंकिंग नियमों के पालन के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर के द्वारा पीएमईजीपी एवं पीएमएफएमई के छः हितग्राहियों को चेक वितरण किया गया। इसी कड़ी में जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल द्वारा उद्यमियों को मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही महिला स्व-सहायता समूहों को

पीएमएफएमई योजना अंतर्गत लाभ प्रदान करने हेतु बैंकों को निर्देशित किया गया एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र बिलासपुर के मुख्य महाप्रबंधक श्री सी.आर.टेकाम के द्वारा प्रतिभागियों को कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराते हुए नवीन उद्यम स्थापना के संबंध में औद्योगिक नीति 2024-30 के अंतर्गत प्रावधान, अनुदान, रियायतें, छूट एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी दी गई।

संक्रमण नियंत्रण पर दो दिवसीय संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ....

■ स्वास्थ्य विभाग एवं यूनिसेफ के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित

बिलासपुर। स्वास्थ्य विभाग एवं यूनिसेफ के सहयोग से संक्रमण के रोकथाम एवं नियंत्रण तथा अस्पताल जनित संक्रमण पर दो दिवसीय संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थानों में संक्रमण के प्रसार को रोकना, उपचार प्रक्रियाओं को अधिक सुरक्षित बनाना और रोगी सुरक्षा को सुदृढ़ करना है। प्रशिक्षण का उद्घाटन डॉ. स्वाति वंदना सिसोदिया, संयुक्त संचालक बिलासपुर संभाग द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम डॉ



प्रियंका शुक्ला, आयुक्त सह संचालक के मार्गदर्शन व और यूनिसेफ छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. गजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ शुभा गढ़ेवाल व जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्यूली मजूमदार को संचालक बिलासपुर संभाग द्वारा जिलों से चिकित्सा अधिकारी,

नर्सिंग अधिकारी, और जिला आरएमएमसीएच सलाहकार शामिल हुए। प्रतिभागियों को मानक सावधानियाँ, हाथ स्वच्छता, पीपीई का सही उपयोग, सुरक्षित इंजेक्शन प्रथाएँ, बायोमैडिकल वेस्ट प्रबंधन तथा संक्रमण निगरानी एवं डेटा प्रबंधन पर गहन तकनीकी और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने बताया कि समय पर संक्रमण की पहचान, सतत निगरानी और प्रभावी नियंत्रण उपायों को अपनाकर अस्पताल जनित संक्रमणों की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। प्रशिक्षण के दौरान केस स्टडी, समूह चर्चाएँ और व्यावहारिक अभ्यासों के माध्यम से प्रतिभागियों ने वास्तविक परिस्थितियों में समाधान खोजने और लागू करने के कौशल विकसित किए। सत्रों में इस तथ्य पर बल दिया गया कि संक्रमण नियंत्रण केवल संस्थागत दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक स्वास्थ्यकर्मी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रशिक्षण का मुख्य संदेश था स्वच्छ हाथ, सुरक्षित अस्पताल और स्वस्थ छत्तीसगढ़।

मोदी ने किया स्मरणोत्सव का शुभारंभ, जिलेभर में कार्यक्रमों का आयोजन

बिलासपुर। राष्ट्रीय चेतना और स्वाभिमान के प्रतीक ‘वंदे मातरम्’ गीत की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर शुक्रवार को पूरे देश में भव्य स्मरणोत्सव मनाया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम से स्मरणोत्सव का औपचारिक शुभारंभ किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर बिलासपुर जिले में भी विविध कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। आत्मानंद उक्कट विद्यालय लिंगियाडीह सहित जिले के सभी शिक्षण संस्थानों, सरकारी कार्यालयों और सामाजिक संगठनों ने एक साथ जुड़कर इस राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गान किया। वचुंअल माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक उद्बोधन को

अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सुना। आत्मानंद उक्कट विद्यालय लिंगियाडीह में छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का सामूहिक गान किया। गीत के रूंते सुरों के बीच देशभक्ति का वातावरण बना रहा। विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री के वचुंअल संबोधन को ध्यान से सुना और उनके संदेश को आत्मसात करने का संकल्प लिया। छात्र छात्राओं ने कहा कि वन्देमातरम् को पहले वे केवल राष्ट्र गीत के रूप में जानते थे लेकिन इस आयोजन से उन्हें राष्ट्र गीत के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी मिली हैकि कैसे यह गीत हमारे देश के गौरव,अस्मिता और शक्ति, सम्मान का प्रतीक है।

वास्तु शास्त्र इस समय पूरी दुनिया में लोकप्रिय है। ऐसा माना जाता है कि घरों के डिजाइन और निर्माण में वास्तु शास्त्र का उपयोग करने से मानव को सन्नाह और शांति की आवश्यकता होती है, जिससे बेहतर स्वास्थ्य, धन और जीवन संतुष्टि भी सुनिश्चित होती है। इसलिए घर के लिए वास्तु बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि यह जीवन की गुणवत्ता निर्धारित करता है। एक अच्छे घर के लिए वास्तु की मदद से अधिक सकारात्मक ऊर्जा मिलती है और व्यक्ति के जीवन से सभी नकारात्मक पहलू दूर हो जाते हैं। जैसे घर में खराब वास्तु खराब स्वास्थ्य, विवाह में कलह, धन संबंधी समस्या, करियर में निराशा आदि के रूप में असंतोष का कारण बन सकता है। इसलिए, घर के लिए वास्तु का उचित मार्गदर्शन और ज्ञान प्रत्येक गृहस्वामी के लिए आवश्यक है। घर बनाने से पहले, आपको वास्तु शास्त्र विशेषज्ञों से परामर्श करना चाहिए। इसका व्यक्ति के व्यक्तित्व और पारिवारिक जीवन पर बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

वास्तु के अनुसार करें इंटीरियर और फर्नीचर की व्यवस्था

घर का आंतरिक लेआउट या फर्नीचर की व्यवस्था वास्तु नियमों के अनुरूप होनी चाहिए। घर के वास्तु में प्रत्येक क्षेत्र एक विशेष भूमिका निभाता है और विभिन्न आकारों का कुछ वास्तु क्षेत्रों पर अलग-अलग प्रभाव डेता है। उदाहरण के लिए, उत्तर दिशा की ओर मुख करके गोल या त्रिकोणीय आकार से बचने की आवश्यकता है। वहीं, फर्नीचर को दक्षिण या दक्षिण-पूर्व दिशा में त्रिकोण आकार में रखना लाभकारी माना जाता है। लकड़ी का



फर्नीचर घर के उत्तर, पूर्व और दक्षिण में रखा जा सकता है, लेकिन वास्तु नियमों के अनुसार धातु के फर्नीचर को पश्चिम दिशा में रखने की सलाह दी जाती है।

घरों के डिजाइन और निर्माण में वास्तु शास्त्र का उपयोग



रंगों का चयन करें

वास्तु शास्त्र में रंगों का बहुत महत्व है। प्रत्येक रंग का वास्तु ऊर्जा से सीधा संबंध होता है। घर की दीवारों पर पेंटिंग करने से पहले आपको वास्तु मित्र का उपयोग करके दीवारों का विश्लेषण करना चाहिए। वास्तु पुरुष मंडल का सटीक स्थान निर्धारित करने के बाद ही दीवारों का रंग चुनना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार आमतौर पर उत्तर दिशा में लाल और पीले रंग का प्रयोग करने से बचना चाहिए। घर की दक्षिण और दक्षिण-पूर्व की दीवारों पर नीले रंग से परहेज करें। इसलिए घर के वास्तु पक्ष में कुछ रंग शुभ और अशुभ परिणाम देते हैं।

वास्तु के अनुसार घर में लगाएं पौधे

बहुत से लोग अपने घर में अपने कुछ पसंदीदा हाउसप्लांट लगाना चाहते हैं जो वास्तव में घर की सुंदरता और प्राकृतिक ऊर्जा को बढ़ाते हैं। हालाँकि, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि वास्तु शास्त्र घर में बहुत अधिक पौधे न रखने

की सलाह देता है। अपने घर में कैक्टस या अन्य कोटेंदार पौधे या ऐसे पौधे न रखें जो सफेद तरल पदार्थ निकालते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर की पूर्व या दक्षिण दिशा की खिड़कियों पर इनडोर पौधे लगाने चाहिए।



घर के लिए महत्वपूर्ण वास्तु टिप्स

घर का मुख्य द्वार वास्तु पुरुष मंडल के शुभ स्थान पर होना चाहिए। हमेशा नैऋत्य कोण से दरवाजा बनाने से बचें। वास्तु के अनुसार घर में शयनकक्ष का आदर्श स्थान दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा में होता है। घर की रसोई हमेशा आग्नेय कोण या वायव्य कोण में बनानी चाहिए। अपनी रसोई उत्तर-पूर्व या दक्षिण-पश्चिम कोने में बनाने से बचें। घर के उत्तर-पूर्व में पूजा कक्ष बनाने से घर की सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। वास्तु द्वारा पूजा कक्ष के बारे में और जानें। मध्य भाग को ब्रह्मस्थान कहा जाता है। इस ब्रह्मस्थान में कभी भी दीवार या स्तम्भ का निर्माण न करें। अपने घर में ब्रह्मस्थान को हमेशा खाली रखें।

गणाधिप संकष्टी चतुर्थी को भगवान श्री गणेश की पूजा

हिंदू पंचांग के अनुसार हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष में आने वाली चतुर्थी को गणाधिप संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है। इस दिन भगवान श्री गणेश को "गणाधिप" यानी गणों के अधिपति के रूप में पूजा जाता है। यह व्रत

खास तौर पर माताओं द्वारा संतान की प्राप्ति, उसकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए रखा जाता है। मान्यता है कि इस दिन गणेश जी की विधिवत पूजा और चंद्रमा के दर्शन से जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं और घर में खुशहाली आती है। इस साल गणाधिप संकष्टी चतुर्थी 8 नवंबर 2025,

शनिवार को मनाई जाएगी। इस दिन भक्तगण उपवास रखकर गणेश जी का जलाभिषेक करते हैं। मोदक या तिल के लड्डू का भोग लगाते हैं और रात में चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत का पारण करते हैं। ऐसा करने से विघ्नहर्ता गणेश जी की कृपा प्राप्त होती है और मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

पूजा-विधि

- सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ-सुथरे कपड़े पहनें।
- घर में भगवान गणेश की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें।
- गणेश जी का जलाभिषेक करें और पीला चंदन लगाएं।
- फूल, फल, दूर्वा और मोदक का भोग लगाएं।
- 'ॐ गं गणपतये नमः' मंत्र का जाप करें और गणाधिप संकष्टी की कथा पढ़ें।
- पूरे दिन व्रत रखें और शाम को चंद्रमा के उदय का इंतजार करें।
- चंद्रमा निकलने के बाद जल से अर्घ्य दें और व्रत का पारण करें।
- पारण के बाद सात्विक भोजन या फलाहार करें।
- अंत में गणेश जी से क्षमा प्रार्थना करें।

शुभ मुहूर्त और चांद निकलने का समय-

चतुर्थी तिथि प्रारम्भ -
नवम्बर 08, 2025 को 07:32 ए एम बजे
चतुर्थी तिथि समाप्त -
नवम्बर 09, 2025 को 04:25 बजे

संकष्टी के दिन चन्द्रोदय - 07:59 बजे

उपाय :
व्रत के दिन गणेश चालीसा या संकटमोचन गणेश स्तोत्र का पाठ करना शुभ माना जाता है। यदि संतान की प्राप्ति की इच्छा हो तो गणेश जी



को दूर्वा चढ़ाते हुए 'संतानप्राप्त्यर्थं नमः' कहकर प्रार्थना करें। आर्थिक बाधाओं से छुटकारा पाने के लिए गणेश जी को गुड़ और चने का भोग लगाएं। शाम को घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाना भी शुभ फल देता है। व्रत का महत्व धार्मिक मान्यताओं के अनुसार,

गणाधिप संकष्टी चतुर्थी के दिन उपवास और पूजा करने से जीवन की कठिनाइयां कम होती हैं और मनुष्य के सभी कार्य सिद्ध होते हैं। इस दिन की गई साधना से विघ्नहर्ता गणेश जी शीघ्र प्रसन्न होते हैं। कहा जाता है कि इस व्रत से मनोकामनाएं पूरी होती हैं और परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

घर में रखें फेंगशुई के 5 लकी आइटम्स, बढ़ेगी रौनक

वास्तु शास्त्र की ही तरह कई उपाय व तरीके बताए गए हैं। इन तरीकों की मदद से आप अपने घर का माहौल खुशहाल बना सकते हैं। फेंग शुई चीनी शास्त्र है, जिसकी मदद से घर की नेगेटिव एनर्जी को भी कम किया जा सकता है। फेंग शुई चीनी शास्त्र में कुछ ऐसी चीजें भी बताई गई हैं, जिन्हें घर में रखना बेहद शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं फेंग शुई के किन लकी आइटम्स को घर में रखने से रौनक बनी रहती है-

चुस्कियां

हल्दी का दूध जरूर दिया जाता है, जो बेहद फायदा भी करता है। यह ड्रिंक आपको गर्म रखने के साथ इम्युनिटी को बढ़ावा भी देती है। यह गोल्डन मिल्क सदी और जुकाम को भी ठीक करता है।

काढ़ा

काढ़ा हमारी बाँड़ी को पर्याप्त पोषण देता है। अगर आप सर्दी में खुद को बीमारियों से दूर रखना चाहते हैं तो इलायची, दालचीनी, अदरक, काली मिर्च और तुलसी के पत्तों को पानी में मिला कर उबाल लें। फिर उसे छान कर चाय की तरह पी लें। इससे आपको गर्माहट तो मिलेगी ही, आपकी बाँड़ी भी एनर्जी से भरपूर रहेगी।



इविल आई- अगर आप बुरी नजर से परेशान हैं तो अपने घर में इविल आई लें आएँ। घर में इविल आई रखने से घर व परिवार के सदस्यों को बुरी नजर से बचाया जा सकता है।

जेट प्लांट-

जेट प्लांट काफी लकी माना जाता है। मान्यता है इस पौधे को घर के एनर्जी पर रखने से पॉजिटिव एनर्जी का संचार होता है और नेगेटिव एनर्जी दूर होती है। न केवल ये पौधा ऑक्सीजन बढ़ाएगा बल्कि सुख-समृद्धि में वृद्धि भी करेगा।

कछुआ-

फेंग शुई विद्या के अनुसार, घर में कछुआ रखना बेहद शुभ माना जाता है। घर में उत्तर की दिशा का संबंध धन के देवता कुबेर जी से है। इसलिए उत्तर दिशा में पानी के जार में कछुआ रखने से आर्थिक दिक्कतें दूर हो सकती हैं। उत्तर दिशा में कछुआ रखने से भगवान कुबेर की कृपा दृष्टि बनी रहती है।

चीनी सिक्के- फेंग शुई विद्या में चीनी सिक्कों का काफी महत्व है। माना जाता है इन सिक्कों को लाल रंग के कपड़ों में बांधकर तिजोरी के अंदर रखने से दरिद्रता दूर होती है और सुख-समृद्धि का वास होता है।

क्रिस्टल- फेंगशुई विद्या के अनुसार, घर में फेंग शुई क्रिस्टल रखना बेहद शुभ माना जाता है। घर में क्रिस्टल रखने से घर की समृद्धि बरकरार रहती है।

"नन्ही परी की उड़ान"

वह नन्ही सी परी है, सपनों की रानी, आसमान को छूने की रानी। सीढ़ी दर सीढ़ी चलती जाती, हौसलों की लौ से राह सजाती।

शिखर करीब है, कदमों में कंपकंपी, मजबूरियां खींचें, दिल में धड़कन गहरी। एक ओर मंजिल चमके सोने सी, एक ओर बंधन, जंजीरों कोने-कोने सी।

रुक कर पृष्ठे खुद से बेसाखा, "जाऊं किधर, दिल करे क्या?" "सपने भी अपने हैं, वचन भी भारी, कदम डगमगाए, पर हिम्मत हमारी।"

मुड़-मुड़ कर पीछे देखती है, दिल में उम्मीद चमकती है। शायद कोई हाथ थाम ले उसका, कंधे पर रख दे भरोसा गहरा।

तभी मां का चेहरा चमक उठा, आँखों में आशा का दीप जला। ममता जैसे पर्वत खड़ा उसके साथ, आँखों से कहती, "चल बेटी, तू ना रुक अब।"

मां बोली बिना बोले, "अब उड़ने की बारी है तेरी। मैं हूँ यहाँ, तू बस आगे चल, तेरे सपनों की राह में ना आने दूंगी कोई हलचल।"

बेटी लिपटी मां से, आँखें भर आई, हिम्मत की पगडंडी मां की गोद से पाई।

फिर सिर ऊंचा कर चल पड़ी वो वीर, गगन पुकारे, सपनों का तीर।

हम बेटियाँ हौसलों की परवाजी हैं, बंधन हो चाहे, पर तितली सी आज़ादी भी हो। बस एक हाथ कंधे पर रख भर दे भरोसा, तो दुनिया हिल जाती है, स्वर्ण साकार होते हैं।

सच कहूँ तो हर मां के पीछे एक पापा का हाथ भी होता है, जो मन को प्रेरित करता है, बेटी के सपनों को आकार देता है। मां दिल से संभालती हैं, तो पापा दिशा दिखाते हैं, मां आशीर्वाद बनती हैं, तो पापा विश्वास बन जाते हैं।

मैंने अपनी मां को बहुत छोटी उम्र में खो दिया था, पर मेरे पापा ही मेरे हौसले, मेरे आकाश बने। संयुक्त परिवार में जहां कॉलेज या पिकनिक जाना भी मनाई थी, वहां मेरे पापा ने मुझे हर कदम पर आगे बढ़ाया।

उन्होंने कहा - "उड़ बेटी, मैं तेरे साथ हूँ।" उनके विश्वास ने मेरी उड़ान को पर दिए, उनकी हिम्मत ने मेरे सपनों को दिशा दी। आज जो मैं हूँ, उन्हीं के आशीर्वाद से हूँ - मेरे हीरो, मेरे पापा - थैंक यू पापा।

(स्वरचित - मंजू लोढ़ा)

ठंड शुरू हो चुका है।

सुबह और शाम गिर रही हल्की ओस के कारण ठंड का एहसास होने लगा है। धीरे-धीरे और कड़ाके की ठंड पड़ेगी। ठंड की वजह से शरीर को बीमार बनने से बचाने के लिए खानपान का विशेष ध्यान रखना होता है। खानपान का सही ढंग से ध्यान रखने से न सिर्फ आप अपने शरीर को गंभीर समस्याओं से बचा सकते हैं बल्कि शरीर की इम्युनिटी को भी मजबूत कर सकते हैं। ठंड के दिनों में शरीर को गर्म रखने के लिए आप कुछ हेल्दी ड्रिंक्स को अपने रूटीन में शामिल कर सकते हैं। इन्हें पीने से न सिर्फ आपके शरीर को गर्माहट मिलेगी, बल्कि आपके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ेगी। आइये जानते हैं ऐसे ही ड्रिंक्स के बारे में जिन्हें आप ठंड के दिनों में पी सकते हैं।

बादाम वाला दूध

सर्दी के मौसम में बादाम का दूध पीना काफी हेल्दी होता है। दूध और बादाम में मौजूद पोषक तत्व आपको ढेरों फायदा पहुंचा सकते हैं। इस ड्रिंक को बनाने के लिए आपको पिसे हुए बादाम को दूध में मिलाना होगा और कुछ देर तक उसे उबालना होगा। इसे स्वादिष्ट बनाने के लिए आप इसमें



कंट्रोल किया जा सकता है। ग्रीन टी डायबिटीज, अल्जाइमर, हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है।

अदरक की चाय

अदरक सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। यह सर्दियों में एलर्जी से बचाने के साथ वजन घटाने में भी मदद करता है। इसलिए सर्दी के मौसम में अदरक की चाय जरूर पीना चाहिए।

सर्दी-जुकाम से निपटने में कारगर है अजवायन

भारतीय किचन में अजवायन का खूब इस्तेमाल किया जाता है। ये कई औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। इसकी एंटीफेगल, एंटी इन्फ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट प्रॉपर्टीज पाचन से जुड़ी समस्याओं से निजात दिलाने में मदद करते हैं। इसके अलावा इसकी खुशबू से सर्दी जुकाम भी ठीक हो सकता है।



- अजवाइन पेट की समस्याओं से निपटने में मदद कर सकता है। यह एसिडिटी, अपच और पेट फूलने जैसी अलग-अलग पाचन समस्याओं के इलाज में फायदेमंद होता है। अजवाइन एक्टिव एंजाइम गैस्ट्रिक जूस के स्राव में सुधार करके पाचन को बढ़ावा देने में मदद करता है। अजवाइन के बीज के अर्क का इस्तेमाल पेट और आंत के घावों को ठीक करने और पेटिक अल्सर के इलाज में मददगार है।
- अजवाइन हानिकारक बैक्टीरिया और फंगी के विकास को रोकता है। रिपोर्ट्स कहती हैं कि अजवाइन के बीज ई. कोली और साल्मोनेला जैसे बैक्टीरिया से लड़ने में मदद कर सकते हैं। जब इसे कुचलकर इंफेक्शन पर लगाया जाता है तो यह संक्रमण को ठीक करता है और घावों का इलाज करता है।
- अजवाइन खांसी से तुरंत राहत देता है। यह बलगम को आसानी से बाहर निकालकर नाक की रुकावट को भी दूर करता है। अस्थमा और ब्रोंकाइटिस जैसी सांस संबंधी बीमारियों के इलाज के लिए गुड़ के साथ अजवाइन का पाउडर बनाएं और इस मिक्स को दिन में दो बार लें।
- अजवायन में एनाल्जेसिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो जोड़ी और मांसपेशियों के दर्द को कम

करने में बेहद फायदेमंद है। इसे खाने से रुमेटीड गठिया जैसी पुरानी ऑटोइम्यून सूजन संबंधी बीमारियों की संभावना कम हो जाती है, जो वात दोषों के ब्रिगडने से होती है। अगर आप ठंड में अजवायन खाते हैं तो कई समस्याओं से निपटने में मदद करता है। इसे खाने के लिए पिंसी हुई अजवायन, घी, बूरा, सोंट पाउडर को एक साथ मिलाएं और फिर इसे खाएं। इसके अलावा एक गिलास पानी में एक चम्मच अजवायन को उबालें। जब ये पानी आधा रह जाए तो इसे एक कप में छान लें और फिर इसमें एक चुटकी काला नमक डालकर चाय की तरह पीएं।



गर्म कपड़ों में आ रही गंदी बदबू दूर करने के टिप्स

सर्दी के मौसम में मीठी-मीठी दस्तक दे दी है। अब सुबह-शाम सहलावन सी ठंड शुरू हो गई और इसके साथ ही शुरू हो गई हैं इस मौसम के स्वागत की तैयारियां। बस कुछ ही दिनों में अलमारी और सन्दूक में भरे रजाई, कम्बल और गर्म कपड़े निकलना शुरू होने वाले हैं।

घूष से दूर भगाएं गंदी स्मेल

अगर रजाई, कंबल या गर्म कपड़ों से हल्की-फुल्की सीलन की स्मेल आ रही है, तो इसे दूर भगाने का सबसे बेहतरीन तरीका है कि इसे धूप दिखाई जाए। इसके लिए बस कपड़ों को धूप में डाल दें और दिन भर में तीन से चार बार इन्हें उलटते-पलटते रहें। इससे कपड़े का हर कोना धूप में अच्छे से सिक जाएगा और बिना किसी खर्च के गर्म कपड़ों से आने वाली गंदी स्मेल दूर हो जाएगी।

कपूर से भी दूर होगी गर्म कपड़ों की गंदी स्मेल

ठंडी के मौसम में अक्सर धूप की कमी हो जाती है। ऐसे में अगर धूप नहीं निकल रही है और गर्म कपड़ों की गंदी स्मेल की वजह से आप इनका इस्तेमाल नहीं कर पा रही हैं, तो आप कपूर की मदद से भी कपड़ों की गंदी स्मेल को दूर कर सकती हैं। इसके लिए बस कपड़ों के बीच में कपूर रखकर छोड़ दें। कुछ ही मिनटों में कपड़ा बिल्कुल फ्रेश हो जाएगा।

इन सभी को बाहर निकालने के दौरान एक बड़ी ही कॉमन सी समस्या सभी को फेस करनी पड़ती है और वो है इनमें से आने वाली गंदी स्मेल। दरअसल लंबे समय तक स्टोर कर के रखने की वजह से साफ गर्म कपड़ों में भी अजीब सी तीखी गंध आने लगती है। ऐसे में इन गर्म कपड़ों को पहनना जरा

मुश्किल होता है। तो चलिए आज आपको कुछ ऐसी घरेलू टिप्स बताते हैं, जिनकी मदद से आप गर्म कपड़ों में उठने वाली बदबू को मिनटों में दूर कर पाएंगी, बिना किसी ड्राइक्लीन या अन्य खर्च के।

व्हाइट विनेगर का करें इस्तेमाल

आप गर्म कपड़ों की गंदी स्मेल को भी व्हाइट विनेगर की मदद से दूर कर सकती हैं। स्मेल कितनी भी तेज हो, इससे दूर हो जाएगी। इसके लिए बस एक स्प्रे बॉटल में व्हाइट विनेगर भर लें और फिर इसे गर्म कपड़ों पर स्प्रे कर दें। इसके बाद कपड़ों को धूप में रख दें। इससे हर कपड़े के बैक्टीरिया भी खत्म हो जाएंगे, साथ ही गंदी स्मेल भी दूर हो जाएगी।

एसेंशियल ऑयल भी है कारगर

गर्म कपड़ों की सीलन भरी बदबू को दूर करने के लिए लैंग, नीम, पिपरमिट, लेवेंडर जैसे एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें कपड़ों पर डाल कर, खुली जगह में कपड़ों को फैला दें। इससे कपड़ों में नई ताजगी आ जाएगी और गंदी स्मेल भी मिनटों में छूमंतर हो जाएगी।



निर्देशों का उलंघन, नगरपालिका सलाहकार समिति की अब तक नही हुई एक भी बैठक



बालोद। राज्य सरकार के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग का कहना है कि नगरीय निकायों में सामान्य सभा कराने के मामले में नियम का पालन नहीं किया जा रहा है। मतलब चुने हुए जनप्रतिनिधि अपने निकायों में लोकतांत्रिक व्यवस्था का पालन नहीं कर रहे हैं। मामले को लेकर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचालक ने पत्र जारी किया है। दरअसल निकायों के लिए नियम है कि कामकाज के लिए प्रत्येक दो माह में

कम से कम एक बार सामान्य सभा कराना अनिवार्य है। लेकिन ऐसे मामलों में ट्रिपल इंजन की नगर सरकार वाली बालोद नगर पालिका अन्य नगरीय निकायों से दो कदम आगे है। पालिका के चुने हुए पदाधिकारी नियमतः सामान्य सभा करवाने से तो बच ही रहे हैं, गठित सलाहकार समिति की भी अब तक एक भी बैठक नहीं हुई है। जबकि नियमतः दो महीने में कम से कम एक बार अनिवार्य रूप से समिति की बैठक बुलाई जानी है।

दो बार समिति का गठन बैठक एक भी नहीं

पालिका में नगर पालिका अधिनियम के अंतर्गत उल्लेखित प्रावधानों के अनुसार दो बार विभागवार सलाहकार समिति का गठन किया गया। लेकिन समिति गठित किए जाने के बाद बैठक बुलाने को लेकर नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। पहली बार 13 मार्च एवं दूसरी बार 18 जून को नगर पालिका में समितियां गठित की गई हैं। लेकिन पूरे 7 महीना बीतने के बाद अब तक किसी भी सलाहकार समिति की एक भी

सलाहकार समिति के गठन पर उठ रहे सवाल

छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 के धारा 71 एवं प्रेसीडेंट इन कोसिल में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए बालोद नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिभा चौधरी ने नगर पालिका अंतर्गत विभिन्न विभागों के लिए सलाहकार समिति का गठन किया है। वहीं एक भाजपा पार्श्व को किसी भी समिति का सदस्य नहीं बनाया गया है। जो उनका अधिकार था।

प्रत्येक समिति में हैं 5 सदस्य, सदस्यों को नहीं मालूम महत्व

नगर पालिका अधिनियम में उल्लेखित प्रावधानों के तहत प्रत्येक समिति के लिए 5 सदस्य नियुक्त किए गए हैं। इनमें पहला सदस्य संबंधित विभाग का पीआईसी सदस्य, सभापति है। इनके अलावा निर्वाचित पार्श्वों में से चार अन्य पार्श्वों को भी समिति में शामिल कर 5 सदस्यीय सलाहकार समिति बनाई गई है। ज्यादतर समिति सदस्यों को सलाहकार समिति का महत्व और कर्तव्य की जानकारी नहीं है। समिति की हर दो महीने में कम से कम एक बार बैठक होनी है। लेकिन 13 मार्च से नवंबर महीने की शुरुआत हो गई है। 7 महीने से अधिक समय में एक भी बैठक किसी भी समिति की नहीं हुई है।

विधिवत नहीं हो रही बैठक

विभिन्न विभागों में सलाहकार समिति के सदस्यों की विधिवत बैठक नहीं हो रही है। यहां तक कि समिति से सलाह लिए बिना ही सभापति पीआईसी में अपने विभाग का एक्टरफा पक्ष रख रहे हैं। पालिका में विधि तथा सामान्य प्रशासन, आवास पर्यावरण एवं लोकनिर्माण विभाग, जलकार्य, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, राजस्व तथा बाजार, खाद्य एवं वाणिज्य अपूर्ण पुर्नवास तथा नियोजन, शिक्षा, महिला तथा बाल विकास विभाग है। जिसमें 20 में से 19 भाजपा, कांग्रेस और निर्दलीय पार्श्व अलग-अलग विभाग में सलाहकार सदस्य या प्रभारी सदस्य हैं।

राज्योत्सव के चलते व्यस्त चल रहे थे, बैठक को लेकर सीएमओ से बात हुई है, सामान्य सभा की बैठक भी अप्रैल के बाद अक्टूबर में 4 माह बाद आहूत की गई थी।

प्रतिभा चौधरी, अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद, बालोद

ओशो आश्रम उमदा रोड भिलाई-3 में

महापौर कोसरे रहे उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि, समापन दिवस पर दो नए साधकों ने ली संन्यास दीक्षा

भिलाई-3। उमदा रोड स्थित ओशो आश्रम भिलाई-3 में चल रहा तीन दिवसीय विशेष ध्यान शिविर बुधवार को ओशो संध्या दर्शन के साथ सम्पन्न हुआ। गुरु नानक जयंती के पावन अवसर पर आयोजित इस शिविर का संचालन स्वामी शशिकांत सदैव द्वारा किया गया। तीन दिनों तक चले इस आध्यात्मिक शिविर में ध्यान, नृत्य, मौन और आत्म-जागरूकता के विविध सत्रों ने साधकों को गहरे ध्यान के अनुभव से जोड़ा। शिविर का शुभाभ सोमवार को हुआ था, जिसमें भिलाई-चरोदा नगर निगम के महापौर निर्मल कोसरे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने उद्घाटन सत्र में कहा कि ओशो का दर्शन समय में मानसिक शांति और



आत्मिक संतुलन पाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने ओशो के विचारों को आधुनिक समाज में प्रासंगिक बताते हुए कहा कि +भौतिक प्रगति के साथ-साथ यदि हम भीतर की शांति को खो देते हैं, तो जीवन अधूरा रह जाता है। महापौर ने ध्यान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए साधकों को नियमित ध्यान साधना अपनाने की प्रेरणा दी। इस दौरान ओशो संन्यासियों और साधकों ने आश्रम में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की मांग रखी, जिस पर कोसरे ने स्थल

निरीक्षण कर शोध क्रियान्वयन का आश्वासन दिया। तीन दिवसीय इस शिविर में प्रतिदिन सुबह गतिशील ध्यान, दोपहर में प्रवचन सत्र और शाम को मौन ध्यान एवं ओशो संगीत संध्या का आयोजन हुआ। स्वामी शशिकांत सदैव ने साधकों को बताया कि ध्यान केवल किसी विशेष आसन में बैठने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की सजग कला है। उन्होंने कहा, +ध्यान वह क्षण है जब मन शांत हो जाता है और व्यक्ति स्वयं से जुड़ जाता है।+

शराब की तस्करी, आरोपी निकला शराब दुकान का गार्ड, पुलिस ने की गिरफ्तार



राजनान्दागांव। जिले में शराब तस्करी और कोचियों पर पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी के तहत चिखली चौकी पुलिस ने शराब तस्करी के मामले में एक आरोपी को अरेस्ट किया। पृष्ठछाछ में वह आरोपी शराब दुकान का ही गार्ड निकला। आरोपी अपनी ड्यूटी करने के दौरान दूसरों से शराब खरीदी करता और उसके बाद उसे ले जाकर अवैध रूप से बिक्री करता। आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस ने बताया कि बुधवार को को अवैध शराब के परिवहन को लेकर खबर

मिली। इस पर टीम ने आरोपी को घेराबंदी कर अरेस्ट किया। शांतिनगर निवासी आरोपी अविनाश पिता छबिलाल साहू अपनी बाइक सीजी 08 एबी 0731 में शराब लेकर जा रहा था। आरोपी के पास से पुलिस की टीम ने 90 पौवा शोले देशी मसाला ज्वत् किया गया, साथ ही बाइक को भी ज्वत् किया गया। कार्रवाई में ज्वत् जुमला 34 हजार रुपए बताया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी शराब भण्डो में गार्ड के पद पर था। तैनात ड्यूटी के बाद अपने साथी से खरीदी करवाता था और इकट्ठा कर बिक्री करता था।

स्थानांतरण के बाद भी नगर पालिका परिषद अमलेश्वर में जमे हुए उप अभियंता

■ इंजीनियर के कार्यों में अनियमितता के आरोप, पार्श्वों में नाराजगी तेज

अमलेश्वर। छत्तीसगढ़ शासन के नगरी प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा 18 सितंबर को प्रदेश के नगरीय निकायों में पदस्थ 93 उप अभियंताओं के स्थानांतरण आदेश जारी किए गए थे। इसके बावजूद कई अधिकारी अपने पुराने पदस्थ निकायों में ही डेरे हुए हैं। ऐसा ही एक मामला नगर पालिका परिषद अमलेश्वर का है, जहां स्थानांतरित उप अभियंता प्रवीण साहू अब तक अपनी नई पदस्थाना स्थल नगर पंचायत पाटन नहीं पहुंचे हैं।

त्योहारों के बाद भी नहीं हुए खाना-नगरी प्रशासन के नियमों के अनुसार स्थानांतरण के 15 दिनों के भीतर अधिकारी को नवीन पदस्थ स्थल पर कार्यभार ग्रहण करना होता है। किंतु बताया जा रहा है कि प्रवीण साहू दशहरा और दीपावली बीत जाने के बाद भी अमलेश्वर में ही कार्यरत हैं। नगर पालिका सूत्रों के अनुसार, उनके स्थान पर पुराने इंजीनियर ढालेंद्र ठाकुर को पुनः अमलेश्वर बुलाया गया है, जिससे सत्ता पक्ष के



पार्श्वों में नाराजगी देखी जा रही है।

पार्श्वों में जताई नाराजगी, उठाए सवाल-नगर के कुछ पार्श्वों ने स्थानांतरण पत्र को मौडिया के साथ सझा करते हुए सवाल उठाया है कि, जब स्थानांतरण आदेश जारी हो चुका है, तो अधिकारी अब तक अपने नए कार्यस्थल पर क्यों नहीं गए? उन्होंने यह भी कहा कि, +एक ही अधिकारी का लगातार एक ही जगह बने रहना प्रशासनिक दृष्टि से उचित नहीं है। इस मुद्दे को लेकर अब नगर में चर्चाओं का दौर तेज हो चुका है।

कार्यों में अनियमितता, लोग हुए जख्मी-मिली जानकारी के अनुसार, उप अभियंता प्रवीण साहू के कार्यकाल में कई निर्माण कार्यों में अनियमितताएं देखी गई हैं।पैनी पसारी योजना के तहत बने बाजार परिसर में निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठे हैं। बताया गया है कि बाजार के चारों ओर नाली पर लोहे की जाली लगाई गई

थी, जिसके कारण कई लोग जख्मी हुए। बाद में जाली को हटकर सिमेंटीकरण कराया गया, फिर भी बाजार परिसर में नाली के बाद पानी भरव और कीचड़ की समस्या बनी हुई है।

नगरवासी परेशान-स्थानीय नागरिकों ने बताया कि बरसात के दिनों में बाजार परिसर में जलभरव और कीचड़ के कारण लोगों को भारी परेशानी होती है। निवासियों का कहना है कि यदि इंजीनियर समय पर सुधारामक कार्य करते, तो ऐसी स्थिति नहीं बनी।

नगर में बढ़ी चर्चाएं-उप अभियंता के स्थानांतरण के बावजूद अमलेश्वर में बने रहने को लेकर नगर में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। जनप्रतिनिधियों ने मांग की है कि नगरी प्रशासन जल्द कार्रवाई कर स्थानांतरण आदेश का पालन सुनिश्चित करे, ताकि प्रशासनिक व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो सके।

स्वच्छ भारत मिशन को ठेंगा दिखा रहा है अमलेश्वर पालिका, नगर में नहीं हो रही साफ-सफाई

पालिका प्रशासन की लापरवाही से जगह-जगह कचरे के ढेर, स्वास्थ्य पर मंडरा रहा खतरा

अमलेश्वर। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के अंतर्गत आने वाले विभिन्न वार्डों में स्वच्छता की हालत बदतर होती जा रही है। स्वच्छ भारत मिशन के दावे और अभियान सिर्फ कागजों तक सीमित रह गए हैं। नगर के कई इलाकों में सड़क किनारे कचरे के ढेर लगे हुए हैं, जिन्हें हटाने की कोई व्यवस्था नहीं दिख रही। अमलेश्वर डीह, खुडमुड़ा, मगरघटा और भोथली जैसे क्षेत्रों में जगह-जगह फैला कचरा न केवल बदबू फैला रहा है, बल्कि मच्छरों और बीमारियों को भी आमंत्रण दे रहा है।



स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सफाईकर्मी कई-कई दिनों तक इन क्षेत्रों में दिखाई नहीं देते, और शिकायत करने पर भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती।

सिर्फदिखावे की सफाई, मुख्य मार्ग तक सीमित डस्टबिन-कुछ महीने पहले नगर पालिका द्वारा सड़क किनारे डस्टबिन रखे गए थे, लेकिन ये केवल मुख्य मार्ग तक ही सीमित हैं। बस्तियों की गलियों और अंदरूनी सड़कों पर न तो डस्टबिन हैं, न ही नियमित सफाई

जनता में बढ़ रही नाराजगी, कार्रवाई की मांग-लोगों ने पालिका प्रशासन से मांग की है कि नियमित रूप से सफाई कार्य कराया जाए और सभी बस्तियों में डस्टबिन उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही, कचरा निस्सारण के लिए ठोस व्यवस्था बनाई जाए ताकि नगर की सूरत बदले और स्वच्छ भारत मिशन का उद्देश्य सार्थक हो सके।

गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश पर्व पर नगर के गुरुद्वारों में उमड़ी श्रद्धा की बयार

पाद, कीर्तन, पुष्प वर्षा और लंगर सेवा से गूंजा नगर—निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी हुआ आयोजन

भिलाई। सिख धर्म के संस्थापक एवं प्रथम गुरु धन-धन श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 556वें प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर नगर के विभिन्न गुरुद्वारों – नेहरु नगर गुरुद्वारा, सेक्टर-6 गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, वेवे नानकी गुरुद्वारा खुर्सीपर एवं हाउसिंग बोर्ड गुरुद्वारा – में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संसार देखने को मिला। सवेरे से ही संगतों ने गुरुद्वारों में माथा टेक कर नगरवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं तरक्की के लिए अरदास की। पूरे दिन पाद, कीर्तन, पुष्प वर्षा, रहिरास साहिब का पाठ, अरदास एवं लंगर सेवा के कार्यक्रमों से वातावरण गुंजायमान रहा। इस अवसर पर संगतों को पंथ के महान अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक बाबा बंता सिंह जी के दर्शन और आशीर्वाचन का



सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने अपने प्रवचनों में गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। इस पावन अवसर पर हैवी ट्रंसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर इंद्रजीत सिंह खेहू ने कहा कि +गुरु नानक देव जी की शिक्षाएं आज भी



मानवता को प्रेम, समानता और सेवा के मार्ग पर अग्रसर करती हैं। हमें उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज में सद्भाव और भाईचारे का वातावरण बनाना चाहिए। गुरु परंपरा की सेवा भावना को आगे बढ़ाते हुए, श्री बीरा सिंह मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा इस

पावन अवसर पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य परामर्श, जाँच और आवश्यक उपचार संबंधी सेवाएँ प्रदान की गईं। गुरु नानक देव जी की शिक्षाएँ आज भी मानवता को प्रेम, समानता और सेवा के मार्ग पर अग्रसर

पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज द्वारा रेंज स्तरीय दोषमुक्ति प्रकरणों की समीक्षा बैठक संपन्न



दुर्ग। पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज रामगोपाल गर्ग के निर्देशन में कार्यालय सभागार कक्ष में रेंज स्तरीय दोषमुक्ति प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में 320 से अधिक प्रकरणों की क्रमवार समीक्षा की गई, जिनमें दुर्ग के 181, बालोद के 102 तथा बेमेतरा के 44 प्रकरण शामिल थे। बैठक में महिला संबंधी अपराध, पॉक्सो एक्ट, हत्या एवं हत्या के प्रयास, एनडीपीएस एक्ट तथा चिटफंड प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई। पुलिस महानिरीक्षक गर्ग ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि- दोषसिद्धि की दर को बढ़ाया जाए, विवेचना की गुणवत्ता में सुधार लाया जाए, अभियोजन विभाग के साथ समन्वय को और सशक्त किया

जाए। आदतन अपराधियों पर विशेष निगरानी के निर्देश- आईजी गर्ग ने कहा कि जो अपराधी बार-बार अपराध कर समाज में भय का वातावरण बनाते हैं, उनके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि- ऐसे अपराधियों की जमानत निरस्त करने, स्थानीय पुलिस द्वारा नियमित निगरानी रिपोर्ट तैयार की जाए। अधिकारियों की उपस्थिति और सहयोग-बैठक में अभियोजन एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से-सयुक्त संचालक अभियोजन दुर्ग एस.एस. ध्रुव, उप संचालक दुर्ग भीम सिंह राजपूत, उप संचालक बालोद अनुरेखा सिंह, उप संचालक

बेमेतरा अर्पणा अग्रवाल, अति. पुलिस अधीक्षक बेमेतरा ज्योति सिंह, अति. पुलिस अधीक्षक बालोद मोनिका ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक बेजन्ती माला तिग्गा, उप पुलिस अधीक्षी दुर्ग भारती मरकाम, उप निरीक्षक राजकुमार प्रधान, सहायक उप निरीक्षक हेमंत निपाठी, डाटा एंट्री ऑपरेटर तेजस्वी गौतम एवं पुलिस पी.आर.ओ. प्रशांत कुमार शुक्ला शामिल रहे। बैठक में स्पष्ट किया गया कि दोषमुक्ति के मामलों में कमी लाने के लिए साक्ष्य संकलन से लेकर अभियोोजन समन्वय तक हर स्तर पर पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित की जाएगी। पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि दोषसिद्धि दर में सुधार ही पुलिस की कार्यक्षमता का वास्तविक पैमाना है।

वोटर्स की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क शुरू, कॉल कर ले पूरी जानकारी

एसआईआर संबंधित कार्यक्रम को लेकर की गई पहल, मिलेगी सुविधा

राजनान्दागांव। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर संबंधी कार्यक्रम की घोषणा की गई है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) दौरान मतदाताओं की सुविधा के लिए जिला एवं तहसील स्तर पर हेल्प डेस्क एवं आईटी डेस्क स्थापित किया गया है। इस पर संपर्क कर मतदाता एसआईआर के संबंध में जानकारी एवं सहायता प्राप्त कर सकते हैं। जिला स्तर पर स्थापित हेल्प डेस्क में व्याख्याता डीएलएमटी प्रभूश साहू से मोबाईल नंबर 9425567756 एवं आईटी डेस्क में सहायक प्रोग्रामर भूपेन्द्र सिंह से दूरभाष क्रमांक 07744-226315 पर संपर्क कर मतदाता एसआईआर के संबंध में जानकारी एवं सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसी तरह राजनान्दागांव तहसील स्तर पर स्थापित हेल्प

डेस्क में सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी बलराम सिंह चौहान से मोबाईल नंबर 7828524410 एवं आईटी डेस्क में डाटा एंट्री ऑपरेटर मंगेश कुमार आर्य से मोबाईल नंबर 6260770496, डोंगरगढ़ तहसील स्तर पर स्थापित हेल्क डेस्क में सीएससी महेन्द्र कुमार कंवरे से मोबाईल नंबर 9165916590 एवं आईटी डेस्क में सहायक ग्रेड-3 कोमल बंसोड से मोबाईल नंबर 7771922300, डोंगरावांव तहसील स्तर पर स्थापित हेल्प डेस्क में सीएससी चन्द्रप्रकाश साहू से मोबाईल नंबर 9753110606 एवं आईटी डेस्क में डाटा एंट्री ऑपरेटर मोतिन ठाकुर से मोबाईल नंबर 9131012654, छुरिया तहसील स्तर पर स्थापित हेल्प डेस्क में प्रधान पाठक नाथुराम

सूर्यवंशी से मोबाईल नंबर 9544481944 एवं आईटी डेस्क में डाटा एंट्री ऑपरेटर माखन ध्रुव से मोबाईल नंबर 7746829754, घुमका तहसील स्तर पर स्थापित हेल्प डेस्क में सीएससी सुनील वर्मा से मोबाईल नंबर 9826938892 एवं आईटी डेस्क में सहायक ग्रेड-3 डैनी कुमार से मोबाईल नंबर 7610411576, लाल बहादुर नगर तहसील स्तर पर स्थापित हेल्प डेस्क में सीएससी किशोर कुमार पंचभवे से मोबाईल नंबर 7987811611 एवं आईटी डेस्क सहायक ग्रेड-3 करन कुमार यदु से मोबाईल नंबर 7000192132 पर संपर्क कर मतदाता एसआईआर के संबंध में जानकारी एवं सहायता प्राप्त कर सकते हैं।